कोटद्वार, मंगलवार
7 अप्रैल 2026
वर्ष: 48
अंक: 306 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

सैकड़ों महिलाओं के साथ अश्लील हरकत करने वाले बाबा अशोक खरात की संपत्ति की होगी जांच

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाले अशोक खरात का मामला अब एक बड़े राष्ट्रीय स्कैंडल में तब्दील होता जा रहा है। रेप, धोखाधड़ी और अवैध रूप से करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोपों में घिरे इस फर्जी बाबा के खिलाफ सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि अशोक खरात की बेहिसाब संपत्ति और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद यह साफ हो गया है कि प्रशासन अब केवल आपराधिक मामलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस पूरे साम्राज्य की आर्थिक जड़ों को भी खोदेगा। अशोक खरात पर आरोप है कि उसने आस्था की आड़ में न केवल महिलाओं का यौन शोषण और दुष्कर्म किया, बल्कि डरा-धमका कर और धोखाधड़ी के जरिए भारी मात्रा में चल-अचल संपत्ति भी खड़ी की है। ईडी की एंट्री का मतलब है कि अब उसके बैंक खातों, विदेशी लेनदेन और बेनामी संपत्तियों के स्रोतों की गहराई से पड़ताल होगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सदन और सार्वजनिक मंचों पर यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार केवल हवा-हवाई आरोपों पर नहीं, बल्कि ठोस सबूतों के आधार पर काम कर रही है। अब तक खरात के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 12 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, और जैसे-जैसे जांच का दायरा बढ़ रहा है, पीड़ित और गवाह भी हिम्मत जुटाकर सामने आ रहे हैं। इस मामले में एक नया मोड़ तब आया जब कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) लीक होने का विवाद गरमाया।

ईरान जंग का असर, एअर इंडिया ने इजराइल के लिए उड़ाने 31 मई तक कीं रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एयर इंडिया ने नई दिल्ली-तेल अवीव रूट पर 31 मई तक उड़ानें रद्द कर दी हैं। तेल अवीव के लिए ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस पहले ही अपनी उड़ानें बंद कर चुकी हैं। फिलहाल एल अल, इस्राएर, अर्किया और एयर हाइफा ही सीमित सेवाएं चला रही हैं। फ्लाइट सस्पेंड होने से 40 हजार से ज्यादा भारतीय पर असर पड़ा हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत आने के लिए उन्हें जॉर्डन या मिस्र के रास्ते जाना पड़ रहा है। तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास ने 24 घंटे की हेल्पलाइन शुरू की है। रजिस्ट्रेशन अभियान भी चला रहा है। राजदूत जेपी सिंह ने भारतीय कामगारों और छात्रों से वर्चुअल बातचीत कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। नई दिल्ली-तेल अवीव के बीच सीधी उड़ान सेवा 1 जनवरी से शुरू हुई थी, जिसमें सप्ताह में चार फ्लाइट बोइंग 787 ड्रीमलाइनर से संचालित की जा रही थीं।

राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू के दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू (दिल्ली यूनिवर्सिटी) के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेजों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के रामजस कॉलेज और मिरांडा कॉलेज में बम की धमकी के बाद सोमवार को कॉलेज परिसर को खाली करा लिया गया। पुलिस के मुताबिक, कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन को ई-मेल मिला, जिसमें उन्हें कैंपस में एक संभावित एक्सप्लोसिव डिवाइस के बारे में अलर्ट किया था। पूरी तरह से तलाशी लेने के लिए बम डिस्पोजल और स्निफर डॉग स्क्वॉड को तैनात किया गया है। वहीं, स्टूडेंट्स, स्टाफ और फैकल्टी को एहतियात के तौर पर बाहर निकाला गया और सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस दोनों कॉलेजों में गहनता से जांच कर रही है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि धमकी किसने दी है?

भोपाल पुलिस के इनपुट पर यूपी एसटीएफ ने कछुआ तस्कर को दबोचा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने वन्यजीव तस्कर को लखनऊ के सैरपुर स्थित आईआईएम रोड से गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने यह कार्रवाई भोपाल पुलिस के इनपुट मिलने पर की। संयुक्त टीम ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। वह चार वर्ष से फरार चल रहा था। उसे सैरपुर थाने में दाखिल किया गया। जहां भोपाल पुलिस साथ लेकर चली गई। एसटीएफ के एएसपी सत्यसेन यादव के मुताबिक, आरोपी रविंद्र उर्फ रमन मलिहाबाद के बख्तियार नगर का रहने वाला है। उसके खिलाफ मध्य प्रदेश के भोपाल में कछुआ तस्करी का मामला दर्ज था। भोपाल पुलिस को इनपुट मिला का रविंद्र उर्फ रमन लखनऊ में छिपा है। इस पर मध्य प्रदेश पुलिस ने एसटीएफ से सहयोग मांगा। संयुक्त टीम ने रविवार को आईआईएम रोड स्थित सैरपुर थाना क्षेत्र से सुबह करीब 11:45 बजे दबोचा गया। एसटीएफ के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश की नदियों से प्रतिबंधित और संरक्षित प्रजाति के कछुओं को निकालकर अंतर्राज्यीय तस्करों को सप्लाई करता था। आगे की कार्रवाई मध्य प्रदेश की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा की जाएगी।

ऊधम सिंह नगर में बंद पड़े पोल्ट्री फार्म में 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा बरामद

रुद्रपुर (एजेंसी)। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर के काशीपुर क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़े कालाबाजारी रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया है। परमानंदपुर स्थित एक पुराने पोल्ट्री फार्म में छापेमारी के दौरान 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा और 100 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। इसमें से 16 सिलेंडर भरे हुए और 53 खाली थे। प्रशासन ने मौके से एक आरोपी जुबैर अली को गिरफ्तार किया, जो उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के ग्राम घोसीपुरा पट्टीकला का निवासी है। सूचना के आधार पर एसडीएम अभय प्रताप सिंह और तहसीलदार पंकज चंदोला ने टीम के साथ तुरंत छापेमारी की। उन्होंने बताया कि पुराने बंद पोल्ट्री फार्म का उपयोग गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री और अन्य नशीली वस्तुओं के धंधे के लिए हो रहा था। बरामदगी से यह स्पष्ट होता है कि आरोपी कई तरह के अवैध कारोबार में शामिल था। गैस सिलेंडरों को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर तन्मय मैथानी को सौंपा गया है, जबकि गांजा और शराब को पुलिस ने सील कर लिया है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है ताकि इसके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों का पता लगाया जा सके।

बार-बार हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है

गुजरात को लेकर दिए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के बयान पर भड़की बीजेपी

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक पारा चढ़ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इडुक्की की एक रैली में गुजरात के लोगों को लेकर एक टिप्पणी की जिसने विवाद का रूप ले लिया है। बीजेपी ने इसे गुजरात की अस्मिता और देश के महान सपूतों का अपमान करार देते हुए कांग्रेस पर हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को इडुक्की में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने केरल की साक्षरता की तुलना अन्य राज्यों से की। उन्होंने पीएम मोदी और सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा कि केरल के लोगों को गुमराह मत करो। वे बहुत समझदार और पढ़े-लिखे हैं। मोदीजी, विजयनजी, आप दोनों गुजरात या अन्य जगहों के उन लोगों को बेवकूफ बना सकते हैं जो अनपढ़ हैं, लेकिन आप केरल के लोगों को

बेवकूफ नहीं बना सकते। खड़गे के इस बयान के बाद बीजेपी ने तुरंत मोर्चा खोल दिया। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने एक्स पर कांग्रेस अध्यक्ष को घेरा। संघवी ने कहा कि यह टिप्पणी गुजरात के छह करोड़ लोगों और महात्मा गांधी, सरदार पटेल व पीएम मोदी जैसे महापुरुषों का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार सत्ता से बाहर होने की हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है। उन्होंने स्पष्ट में कहा कि गुजरात माफ़ नहीं करेगा। संघवी ने कांग्रेस पर बार-बार गुजरात को निशाना बनाने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या पार्टी की यह आलोचना राज्य के लोगों द्वारा सत्ता से बाहर किए जाने की वजह से है। उन्होंने कहा कि खड़गे का बयान उनकी हताशा को नहीं, बल्कि कांग्रेस के असली कद को दर्शाता है और कहा कि गुजरात की राजनीतिक रूप से जागरूक जनता ने हमेशा उन लोगों को नकारा है जो गांधी और पटेल की धरती का अपमान करते हैं और आगे भी ऐसा ही करती रहेगी, उन्होंने यह भी जोड़ा कि गुजरात माफ नहीं करेगा। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे पर पलटवार करते हुए पूछा कि वे महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे नेताओं की बुद्धिमत्ता के बारे में क्या सोचते हैं, जो सभी गुजरात, यूपी और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों से आते थे। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर 9 अप्रैल को होने वाले केरल चुनावों से पहले फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य की जनता चुनावों में इसका करारा जवाब देगी।

टीवीके प्रमुख विजय ने चेन्नई में चुनावी दौरा किया रद्द, समय की कमी और पुलिस पाबंदियों का हवाला

चेन्नई (एजेंसी)। विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्तरी कड़गम (टीवीके) ने सोमवार को चेन्नई में प्रस्तावित चुनावी प्रचार कार्यक्रम रद्द कर दिया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विजय को विल्लीवाक्कम और टी नगर विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं और रोड शो करने थे, लेकिन प्रशासनिक पाबंदियों के चलते कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। सूत्रों का कहना है कि चुनाव प्रचार की अनुमति मिलने के बावजूद पुलिस द्वारा दोनों स्थानों के बीच आवागमन के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। इसी वजह से कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से पूरा करना संभव नहीं था। पार्टी ने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि इस तरह की पाबंदियां चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि टीवीके इस मामले को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के समक्ष उठाने की तैयारी कर रही है। हालांकि, पार्टी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी मौसम में इस तरह की प्रशासनिक चुनौतियां राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए बड़ी समस्या बन सकती हैं। वहीं, निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की भूमिका भी अहम मानी जाती है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ऐसे में सभी दल अपने-अपने स्तर पर प्रचार में तेजी ला रहे हैं, और हर छोटा घटनाक्रम चुनावी रणनीति पर असर डाल सकता है।

असम में कल्पना के हेलीकॉप्टर को उतरने की नहीं दी अनुमति, डर में हिमंता?

-सोरेन ने फोन के जरिए लोगों से कहा- मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं

दिसपुर, (एजेंसी)। असम में चुनाव प्रचार के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता कल्पना सोरेन को हेलीकॉप्टर लैंडिंग की अनुमति न मिलने से उनका तय कार्यक्रम प्रभावित हुआ, लेकिन उन्होंने फोन के जरिए लोगों से संपर्क कर अपना संदेश पहुंचाया। असम के खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार में कल्पना सोरेन को परेशानी झेलनी पड़ी। उनका इन जगहों पर जनसभा करने का कार्यक्रम था, लेकिन प्रशासन ने हेलीकॉप्टर उतारने के लिए हेलीपैड की अनुमति नहीं दी। इस वजह से वह खुमताई और नहरकटिया नहीं पहुंच सकीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। मार्गेरीटा जाते समय सड़क रास्ते में ही फोन के जरिए खुमताई और नहरकटिया के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से अंदेशा था कि उनके कार्यक्रम में रुकावट डाली जाएगी और उनकी आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। वहीं झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भी असम में एक सभा में आरोप लगाया कि उनकी बढ़ती भीड़ से सत्ता पक्ष परेशान है। इसलिए लोगों को उनकी सभा में आने से रोका जा रहा है।

कल्पना सोरेन ने अपने भाषण में कहा कि रास्ते रोके जा सकते हैं, लेकिन जनता का गुस्सा नहीं रोका जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग विपक्ष की आवाज दबाना चाहते हैं।

मतदान के जरिए अपनी ताकत जरूर दिखाएं कल्पना ने खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा के लोगों से खासकर चाय बागान के मजदूरों, आदिवासी समाज, अल्पसंख्यकों, युवाओं और महिलाओं से 9 तारीख को ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील की। उन्होंने इस चुनाव को सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बल्कि सम्मान, पहचान और अधिकार की लड़ाई बताया। लोगों से कहा कि वे तीर-धनुष चुनाव चिह्न पर वोट देकर अपना जवाब दें। आखिर में उन्होंने कहा कि मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं।

यूपी के करीब 6000 मजदूर इजराइल में हैं सुरक्षित, सरकार कर रही लगातार निगरानी

किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की नहीं जताई इच्छा

लखनऊ (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तेज होती जंग और ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों के बीच इजराइल में काम कर रहे यूपी के करीब 6000 मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही थी। कई लोग सवाल कर रहे थे कि क्या ये मजदूर सुरक्षित हैं और क्या उन्हें भारत वापस लाया जाएगा? इन सवालों का जवाब देते हुए यूपी सरकार ने कहा कि सभी मजदूर पूरी तरह सुरक्षित हैं और सरकार लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

यूपी सरकार के प्रमुख सचिव डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर वे नियमित रूप से भारतीय दूतावास के अधिकारियों के संपर्क में हैं। दूतावास के जरिए यूपी के सभी मजदूरों की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने साफ किया कि तनावपूर्ण हालात के बावजूद अभी तक किसी भी मजदूर की ओर से भारत लौटने की कोई मांग नहीं की गई है। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि ईरानी हमलों के बावजूद इजराइल में कार्यरत यूपी के 6000 से ज्यादा मजदूर सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हम भारतीय दूतावास के साथ निरंतर संपर्क बनाए

हुए हैं। दूतावास के अधिकारियों के जरिए हम हर श्रमिक की लोकेशन और सुरक्षा स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। यूपी सरकार ने साफ किया कि जरूरत पड़ने पर श्रमिकों की सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था पहले से तैयार है। हालांकि, फिलहाल किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की इच्छा नहीं जताई है। प्रमुख सचिव ने बताया कि सीएम योगी ने इस मामले में सख्त निर्देश दिए हैं कि विदेश में काम कर रहे यूपी के किसी भी मजदूर की सुरक्षा से कोई समझौता न किया जाए। इसके तहत श्रम विभाग लगातार दूतावास के साथ समन्वय कर रहा है। इस जंग की शुरुआत से ही ईरान तेल अवीव समेत इजराइल के बड़े शहरों पर मिसाइलें बरसा रहा है। ऐसे में विदेश में रह रहे भारतीयों, खासकर इजराइल में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई थी। यूपी भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण यहां से सबसे ज्यादा लोग इजराइल में निर्माण, कृषि और अन्य क्षेत्रों में काम करते हैं। योगी सरकार ने तनाव शुरू होते ही तुरंत सक्रिय भूमिका निभाई। सुंदरम ने भारतीय दूतावास, तेल अवीव के साथ सीधा संपर्क स्थापित किया और यूपी के श्रमिकों की सूची साझा की। दूतावास के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया कि अगर कोई श्रमिक स्वेच्छा से भारत लौटना चाहे या स्थिति और बिगड़ती है, तो उनकी सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था कर ली गई है। श्रम विभाग ने सभी जिला मजदूर कल्याण अधिकारियों को अलर्ट किया है कि अगर कोई श्रमिक परिवार से संपर्क कर सहायता मांगे तो तुरंत मदद की जाए। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने कहा कि हमारी प्राथमिकता श्रमिकों की सुरक्षा है। अभी हालात नियंत्रण में हैं और श्रमिक अपने काम पर बने हुए हैं, लेकिन सरकार किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है।

सीएम की पत्नी पर कांग्रेस ने लगाये पाकिस्तानी कनेक्शन का आरोप

असम सीएम सरमा ने कहा- यह चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के पहले राज्य की राजनीति में उबाल आ गया। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर कांग्रेस द्वारा लगाए गए वित्तीय आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसमें विदेशी साजिश और पाकिस्तानी कनेक्शन होने का दावा किया है। इस मामले में अब कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है और एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है।

यह आरोप उन्होंने तब लगाया जब कांग्रेस नेताओं ने मौजूदा चुनावी माहौल में उनकी पत्नी के वित्तीय और निजी रिकॉर्ड पर सवाल उठाए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब गौरव गोगोई समेत कांग्रेस नेताओं ने नई दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दावा किया कि सीएम सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन पासपोर्ट हैं और वह व्योमिंग स्थित एक कंपनी के ज़रिए 52,000 करोड़ रुपए की संपत्ति को नियंत्रित करती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्तेमाल की गई सामग्री एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया नेटवर्क से ली गई थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी मीडिया चैनलों ने हाल के दिनों में असम चुनावों पर असामान्य रूप से कई चर्चाएं प्रसारित की हैं, जो सभी कांग्रेस के पक्ष में थीं। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान में कम से कम 11 टॉक शो असम चुनावों पर केंद्रित थे। उन्होंने इसे अभूतपूर्व बताया और सुझाव दिया कि यह चुनावी माहौल को प्रभावित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

सरमा ने पुष्टि की कि उनकी पत्नी, रिंकी भुइयां ने एफआईआर दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने आरोपों को मनगढ़ंत और मानहानिकारक करार दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने पर गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सीएम सरमा ने तर्क दिया कि विदेशों में शेल कंपनियां बनाना अपेक्षाकृत आसान है और उन्होंने अपने विरोधियों पर सबूत गढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति 199 यूएसडी का भुगतान करके कंपनी रजिस्टर करवा सकता है। कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने तो रिंकी के नाम पर एक और कंपनी भी बना ली। उन्होंने फिर दोहराया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा पेश किए गए दस्तावेज़, जिनमें पासपोर्ट की तस्वीरें भी शामिल थीं, मनगढ़ंत थे और उन्हें संदिग्ध विदेशी संस्थाओं से हासिल किया गया था। बता दें असम में मतदान 9 अप्रैल को होना है और परिणाम 4 मई को आएगा।

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले घाटी पहुंचे सीडीएस जनरल चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है। जैसे-जैसे बरसी नजदीक आ रही है, घाटी में सतर्कता और सख्ती साफ दिख रही है। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हैं और जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी का व्यापक नेटवर्क तैयार है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते नाकाम कर सके।

इस बीच रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कश्मीर दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) का दौरा कर सुरक्षा हालात और ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने चिनार कोर की तैयारियों की सराहना कर संकेत दिया कि अब सुरक्षा बल केवल जवाब देने की रणनीति तक सीमित नहीं रहने वाले हैं, बल्कि दुश्मन की हर चाल को पहले से भांपकर विफल करने के लिए तैयार हैं।

जनरल चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि अब पारंपरिक युद्ध के तरीके पर्याप्त नहीं हैं और ÷मल्टी-डोमेन

ऑपरेशन्स÷ यानी बहु-आयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके तहत सेना, वायुसेना, नौसेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां एकीकृत ढांचे में मिलकर काम करेंगी। आधुनिक तकनीक, साइबर क्षमता और मानसिक दृढ़ता को भी इस रणनीति का अहम हिस्सा बताया गया। घाटी में जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। सांबा जिले में संदिग्ध गतिविधियों के बाद सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। हालांकि अभी तक किसी मुठभेड़ की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि सुरक्षा बल किसी भी सूचना को हल्के में नहीं ले रहे। इसके अलावा, सीमाओं पर घुसपैठ रोकने के लिए एलओसी पर विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है। ड्रोन, सेंसर और अन्य आधुनिक उपकरणों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। खुफिया तंत्र को भी पहले से ज्यादा सक्रिय और मजबूत किया गया है। कुल मिलाकर, पहलगाम हमले की बरसी केवल एक याद नहीं, बल्कि एक मजबूत संकल्प का प्रतीक बन गई है। यह संकल्प है कि अब कोई चूक नहीं होगी और हर खतरे का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला नहीं, बल्कि पहल कर खतरे को खत्म करने वाला देश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तमिलनाडु में बड़े दलों ने ब्राह्मणों को किया दरकिनार, टिकट देने को भी नहीं हैं तैयार

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इन सूचियों के विश्लेषण से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है—राज्य की मुख्यधारा की राजनीति से ब्राह्मण उम्मीदवारों का लगभग पूरी तरह गायब होना। करीब 3 प्रतिशत आबादी वाले इस समुदाय को द्रविड़ राजनीति के गढ़ में इस बार बड़ी पार्टियों ने टिकट देने से परहेज किया है। राजनीतिक विश्लेषक इसे राज्य के चुनावी इतिहास में एक बड़े बदलाव के रूप में देख रहे हैं।

सबसे चौंकाने वाला फैसला अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) का रहा है। लगभग 35 वर्षों में यह पहली बार है जब पार्टी ने एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है। पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के निधन के बाद से पिछले 10 वर्षों में पार्टी ने केवल एक बार 2021 में इस समुदाय के व्यक्ति को टिकट दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि जयललिता और एमजीआर के दौर में ब्राह्मण उम्मीदवार पार्टी की प्राथमिकता हुआ करते थे, लेकिन अब समीकरण बदल चुके हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों के अनुसार, जयललिता के बाद ब्राह्मण मतदाताओं का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा है, जिसके कारण अन्नाद्रमुक को अब इस समुदाय को टिकट देने में कोई सीधा चुनावी लाभ नजर नहीं आ रहा है। हैरानी की बात यह है कि हिंदुत्व की राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी 27 सीटों की सूची में किसी ब्राह्मण चेहरे को स्थान नहीं दिया है। इसी तरह सत्ताधारी द्रमुक (डीएमके) और कांग्रेस ने भी इस समुदाय से दूरी बनाई है। द्रमुक की राजनीति का आधार ही गैर-ब्राह्मण सशक्तिकरण रहा है, इसलिए उनकी सूची में यह बदलाव स्वाभाविक माना जा रहा है।

हालांकि, मुख्यधारा की पार्टियों के उलट कुछ नए और छोटे दलों ने अलग राह चुनी है। अभिनेता विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) ने दो ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि विजय इसके जरिए संदेश देना चाहते हैं कि उनकी पार्टी ब्राह्मण-विरोधी नहीं है। वहीं, तमिल राष्ट्रवादी नेता सीमन की पार्टी नाम तमिलर कच्ची (एनटीके) ने सबसे अधिक छह ब्राह्मण उम्मीदवारों को टिकट दिया है। सीमन ने मायिलापुर और श्रीरंगम जैसे क्षेत्रों को चुना है जहाँ ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। जानकारों का कहना है कि सीमन द्रविड़ दीवार को तोड़ने के लिए हर सामाजिक समीकरण का इस्तेमाल कर रहे हैं। कुल मिलाकर, तमिलनाडु की चुनावी बिसात पर इस बार पारंपरिक जातीय प्रतिनिधित्व के मायने बदलते दिख रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोती बाजार के गोदाम में आग लगाने वाला नाबालिग पकड़ा

देहरादून। मोती बाजार स्थित एक व्यापारी के गोदाम में आग लगाने के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को संरक्षण में लिया है। आरोपी ने पूछताछ में आग लगाने का कोई स्पष्ट कारण तो नहीं बताया, लेकिन पुरानी रंजिश के चलते दो अन्य युवकों को इस मामले में फंसाने का प्रयास जरूर किया। पुलिस ने सोमवार को किशोर को बाल सुधार गृह में पेश किया।शहर कोतवाल हरिओम राज चौहान ने बताया कि मोती बाजार निवासी व्यापारी तरुण तनेजा ने रविवार को केस दर्ज कराया। बताया कि बीते एक अप्रैल की रात करीब आठ बजे उनके गोदाम में आग लग गई थी। दमकल और पुलिस की मदद से आग पर काबू पाया गया। अगले दिन छत पर जाने पर परिवार को गोदाम के पीछे एक लकड़ी की सीढ़ी और पास ही कैंची पड़ी मिली। शक होने पर आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए तो एक संदिग्ध किशोर वहां आता-जाता दिखा। उसकी तलाश की। पकड़े जाने पर किशोर ने बताया कि उसने राहुल और सन्नी के साथ मिलकर किसी के कहने पर यह आग लगाई है। तब पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। इंस्पेक्टर चौहान ने बताया कि आग लगाने वाला मुख्य आरोपी नाबालिग है और एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखता है। सोमवार को उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। कोतवाल के अनुसार आरोपी की राहुल से रंजिश थी जिसके चलते उसने राहुल और एक अन्य युवक का नाम लिया।

मार्ग अनुरक्षण शुल्क बढ़ने से भड़के ठेकेदार

हल्द्वानी। वन उपज ढुलाई वाहनों पर मार्ग अनुरक्षण शुल्क में बढ़ोतरी से ठेकेदारों में आक्रोश है। उन्होंने प्रभागीय लॉगिंग प्रबंधक, उत्तराखंड वन विकास निगम, पूर्वी हल्द्वानी को पत्र भेजकर शीघ्र समाधान नहीं करने पर 8 अप्रैल से ढुलाई कार्य बंद करने की चेतावनी दी है। प्रार्थना पत्र में ठेकेदारों ने बताया कि पूर्व में जारी आदेशों के अनुसार वन उपज ढुलाई वाहनों से 130 प्रति फेरा या 3000 रुपये मासिक शुल्क लिया जाता था। वन संरक्षक, पश्चिमी वृत्त हल्द्वानी की ओर से जारी नए आदेशों में इन वाहनों का अलग से उल्लेख नहीं किया गया है। इसके चलते अब वाहनों से सामान्य व्यावसायिक वाहनों की तरह 410 रुपये प्रति फेरा शुल्क वसूला जा रहा है, जबकि मासिक शुल्क की व्यवस्था भी समाप्त कर दी गई है। ठेकेदारों का कहना है कि इससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है और कार्य प्रभावित हो रहा है। बताया कि इस संबंध में प्रबंध निदेशक, वन निगम, वन संरक्षक पश्चिमी वृत्त हल्द्वानी समेत अन्य अधिकारियों को पूर्व में भी कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने मांग की है कि पूर्व के आदेशों के अनुसार मार्ग अनुरक्षण शुल्क की व्यवस्था बहाल की जाए। चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 7 अप्रैल तक समस्या का समाधान नहीं होने पर 8 अप्रैल से ढुलाई कार्य बंद करने को बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी। इस मौके पर पूरन सिंह बिष्ट, भीष्म गांधी, प्रेमपाल, राहुल गांधी, निकिता बिष्ट, संध्या गांधी, मीना बिष्ट, नवीन दानू मौजूद रहे।

दिव्यांग सलाहकार बोर्ड सदस्य मंत्री से मिले, कई मुद्दों पर चर्चा

देहरादून। उत्तराखंड राज्य दिव्यांग सलाहकार बोर्ड के सदस्यों ने समाज कल्याण मंत्री खजानदास से भेंट की। बोर्ड के सदस्यों ने मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सदस्यों ने मंत्री को दिव्यांगों की समस्याओं से संबंधित एक मांग पत्र भी सौंपा। बैठक में दिव्यांग आयोग व निदेशालय के गठन, पेंशन में वृद्धि, बैकलॉग पदों पर भर्ती और स्वरोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान अनीता शास्त्री, बृजमोहन सिंह, सुंदरलाल गौतम, अपूर्व नौटियाल, सचिन वढेरा और केएन जोशी उपस्थित रहे।

फर्जी खबरों से बचें, केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें: आईओसीएल

देहरादून। सोमवार को सूचना प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत पीआईबी देहरादून में आईओसीएल-उत्तराखंड के राज्य स्तरीय समन्वयक, तेल उद्योग ने एलपीजी और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता, तथा गलत सूचना का मुकाबला करने के उपाय को लेकर पत्रकार वार्ता की। डिविजनल रिटेल सेल्स हेड, आईओसीएल-उत्तराखंड, राज्य स्तरीय समन्वयक, तेल उद्योग कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए प्रमुख क्षेत्रों पर अद्यतन जानकारी में नागरिकों को एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने और आवश्यक न होने पर वितरकों के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है।

डायवर्जन रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) आधारित एलपीजी डिलीवरी फरवरी 2026 में 53 प्रतिशत से बढ़कर कल 90 प्रतिशत हो गई। मार्च 2026 से अब तक 3.6 लाख कनेक्शनों में गैस कनेक्शन स्थापित होने और 3.9 लाख से अधिक नए पंजीकरण के साथ पीएनजी के विस्तार में गति है। इस राज्य स्तरीय प्रेस वार्ता में बताया गया है कि भारत अपनी कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की लगभग 80% जरूरत आयात के माध्यम से पूरी करता है। तेल कंपनियां केंद्र सरकार और राज्य सरकार के साथ समन्वय बनाकर आपूर्ति बनाए रखने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं, और पूरी स्थिति पर नजदीकी निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की कमी न हो। आईओसीएल, उत्तराखंड की तरफ से बताया गया कि चारधाम यात्रा के लिए एलपीजी और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती खपत को लेकर केंद्र सरकार को राज्य की तरफ मांग भेजी जा रही है। एलपीजी के संदर्भ में, भारत की लगभग 60% आवश्यकता आयात से पूरी होती है। सभी रिफाइनरियां पूर्ण क्षमता पर चल रही हैं और एलपीजी उत्पादन को बढ़ाया गया है। उत्तराखंड राज्य में उपभोक्ताओं को लगातार एलपीजी आपूर्ति की जा रही है, लेकिन वर्तमान में लगभग 6.97 दिनों का बैकलॉग है, जिसका मुख्य कारण उपभोक्ताओं द्वारा घबराहट में रिफिल बुकिंग करना है। लगभग 85% बुकिंग ऑनलाइन हो रही हैं और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) का कार्यान्वयन भी 85% तक हो चुका है। घरेलू एलपीजी आपूर्ति औसतन 18 लाख प्रति माह है। मार्च में जहां प्रतिदिन लगभग 65,000 सिलेंडर की आपूर्ति हो रही थी, वहीं वर्तमान में यह घटकर लगभग 56,000 प्रतिदिन (लगभग 85%) रह गई है। गैर-घरेलू एलपीजी की आपूर्ति औसतन 1.6 लाख प्रति माह है, जिसमें प्रतिदिन लगभग 5,000 सिलेंडर की आपूर्ति होती थी, लेकिन वर्तमान में यह घटकर लगभग 2,600 प्रतिदिन (लगभग 55%) हो गई है। 5 किलोग्राम सिलेंडरों की आपूर्ति भी 800 प्रतिदिन से घटकर लगभग 250 प्रतिदिन रह गई है। डिलीवरी का समय शहरी क्षेत्रों में लगभग 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 45 दिन है। गैर-घरेलू आपूर्ति में अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, होटल/ढाबों, औद्योगिक कैंटीनों और फार्मा क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है।

एक आंकड़े के मुताबिक उत्तराखंड में:

5 अप्रैल को 34,448 एलपीजी बुकिंग हुई।

29 मार्च से 4 अप्रैल तक 2,95,624 एलपीजी बुकिंग हुई।

मार्च 2024 में 14,06,421 एलपीजी बुकिंग हुई।

5 अप्रैल को 26,595 एलपीजी डिलीवरी हुई।

29 मार्च से 4 अप्रैल तक 2,50,344 एलपीजी डिलीवरी हुई।

मार्च 2024 में 11,25,546 एलपीजी डिलीवरी हुई।

फिलहाल प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (के तहत प्रतिदिन लगभग 5,000 सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं।

ईंधन आपूर्ति की स्थिति (पेट्रोल और डीजल) की बात करें तो पूरे राज्य में पेट्रोल और डीजल उपलब्ध हैं। कुल 978 रिटेल आउटलेट सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं, जिनमें आईओसीएल-इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के 431, इढउ- भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के 214, एचपीसी- हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के 254, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के 28 और 51 आउटलेट शामिल हैं।

फर्जी सीमेंट डीलर बनकर 5.20 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार, पूरी रकम बरामद

अल्मोड़ा। दन्या क्षेत्र के एक ठेकेदार से सीमेंट सप्लाई के नाम पर 5.20 लाख रुपये की ठगी करने वाले शातिर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर पूरी रकम बरामद कर ली है। आरोपी ने खुद को 'शर्मा जी' बताकर फोन पर विश्वास में लेकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार, 9 अक्टूबर 2024 को ठेकेदार दिलीप सिंह ने तहरीर देकर बताया था कि एक व्यक्ति ने खुद को सिकंदराबाद, बुलंदशहर स्थित एक सीमेंट कंपनी का मार्केटिंग मैनेजर बताते हुए उनसे 5,20,000 रुपये ठग लिए। इस मामले में थाना दन्या में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह और क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा बलवंत सिंह के पर्यवेक्षण में तकनीकी विश्लेषण और सघन जांच के जरिए आरोपी का पता लगाया। पुलिस टीम ने पश्चिम बंगाल जाकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए आरोपी को ट्रेस किया। विवेचना के दौरान आरोपी अंकित चौधरी उर्फ शर्मा जी (21) निवासी कोलकाता, पश्चिम बंगाल ने न्यायालय में ठगी की बात स्वीकार की। इसके बाद ठेकेदार को पूरी 5 लाख 20 हजार रुपये की धनराशि वापस दिलाई गई। कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक महिला कोतवाली जानकी भंडारी, अपर उपनिरीक्षक पुष्कर सिंह, अपर उपनिरीक्षक फिरोज खान और हेड कांस्टेबल धीर सिंह शामिल रहे।

निगम क्षेत्र में निजी वाहनों से नहीं उठेगा कूड़ा

हल्द्वानी। नगर निगम क्षेत्र में अब निजी वाहनों से कूड़ा उठाने पर रोक रहेगी। सोमवार को नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बैणी सेना और वाहन चालकों की बैठक कर इस पर रोक लगा दी। निगम के कूड़ा वाहन चालकों को हर घर से कूड़ा उठाने के निर्देश दिए गए। अब लोगों से केवल नगर निगम ही कूड़ा कलेक्शन शुल्क लेगा।कूड़ा निस्तारण व्यवस्था की समीक्षा बैठक नगर निगम सभागार में गई। बैणी सेना के सदस्यों ने वार्ड में होने वाली दिक्कतों के बारे में बताया।

कहा कि नए वाहनों के हर घर तक न पहुंचने पर परेशानी बन रही है। देर से आने के साथ घरों से शुल्क लेने में समस्या होती है। बताया कि कई निजी समितियां निगम क्षेत्र में कूड़ा निस्तारण का काम कर रही हैं। जिससे राजस्व का नुकसान हो रहा है।

लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई, प्रमुख अधीक्षक निलंबित

देहरादून। उत्तराखण्ड के पौड़ी जिला अस्पताल में करोड़ों रुपये की लागत से स्थापित सिटी स्कैन मशीन के खराब होने के मामले में शासन ने कड़ा रुख अपनाया है। मशीन के रख-रखाव में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर तत्कालीन प्रमुख अधीक्षक डॉ. विजयेन्द्र भारद्वाज को निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच में सामने आया कि वर्ष 2022 से सीटी स्कैन मशीन को बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के खुले में रखा गया था। लंबे समय तक उपेक्षा के कारण यह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। यह मशीन मरीजों को गंभीर बीमारियों की जांच सुविधा देने के उद्देश्य से लगाई गई थी, लेकिन लापरवाही के चलते आमजन को इसका लाभ नहीं मिल सका। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट में संबंधित अधिकारियों की घोर लापरवाही, उदासीनता और सरकारी संपत्ति के संरक्षण में विफलता स्पष्ट रूप से उजागर हुई है। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर शासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए निलंबन के साथ विभागीय जांच भी शुरू कर दी है। इस मामले पर स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत और पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या जनता के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंत्री ने सभी चिकित्सा संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि उपलब्ध संसाधनों का सही रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी

उरेडा की प्रोजेक्ट अफसर ने फांसी लगाकर जान दी

देहरादून। उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) में तैनात प्रोजेक्ट अफसर राजेश्वरी उम्र 34 वर्ष ने फांसी लगाकर जान दे दी। उनके पति पीयूष सिंह आरबीआई में क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। मामले में राजेश्वरी की बहन की तहरीर पर बसंत विहार थाना पुलिस ने पति समेत पांच के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसओ बसंत विहार अशोक राठौर ने बताया कि रविवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे दंपति के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद पति पीयूष नहाने चला गया। इसी बीच राजेश्वरी ने रसोई में जाकर एक दरवाजा बंद किया और पंखे के कुंडे में दुपट्टे का फंदा बनाया और फांसी पर झूल गई। पति जब नहाकर लौटा तो पत्नी को फंदे से लटका देख उसके होश उड़ गए। वह आनन-फानन में उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार को डॉक्टरों के पैनल द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। आत्महत्या की पूरी घटना घर के सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो गई है।

साधुराम विद्यालय में पुस्तकों की दुर्दशा पर जताई चिंता

देहरादून। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने सोमवार को साधु राम विद्यालय स्थित इंटेंसिव केयर सेंटर (आईसीसी) का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यालय की लाइब्रेरी में सीलन और दीमक के कारण पुस्तकों की खराब स्थिति पर चिंता जताते हुए पुस्तकों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आईसीसी केंद्र में बच्चों के समग्र विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जिलाधिकारी के निर्देशन में कार्य संतोषजनक है, लेकिन इसे और सुदृढ़ बनाने के लिए सभी को शत-प्रतिशत योगदान देना होगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों के लिए पर्याप्त एवं उपयोगी पुस्तकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने तथा केंद्र परिसर को साफ-सुथरा बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही आईसीसी में समर कैंप आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि वंचित वर्ग के अधिक बच्चे भी लाभान्वित हो सकें। साधु राम विद्यालय के निरीक्षण में उन्होंने लाइब्रेरी में सीलन और दीमक के कारण पुस्तकों की खराब स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने विद्यालय परिसर के बाहर पड़ी निर्माण सामग्री को 48 घंटे में हटाने के निर्देश दिए। उपयोगी पुस्तकों को पुनर्वास केंद्र में स्थानांतरित करने तथा जर्जर पुस्तकों को हटाने को कहा।

आपदा प्रबंधन को मॉडल राज्य बनाने की दिशा में कार्य करें: मदन कौशिक

देहरादून। प्रदेश के आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने विधान सभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने आपदा से पूर्व, आपदा के दौरान एवं आपदा के बाद विभाग द्वारा किये जाने वाले क्रिया-कलापों की विस्तार से जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में राज्य को एक मॉडल राज्य के रूप में स्थापित करें। उन्होंने कहा कि विश्व में सर्वाधिक आपदा झेलने वाले देश की तर्ज पर आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर प्रदेश को आपदा प्रबंधन में सुदृढ़ बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। मंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए जिला स्तर पर बेहतर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर कम्युनिकेशन सिस्टम को बेहतर बनाया जाए ताकि सूचनाओं के आदान-प्रदान की कार्यवाही तेजी से हो सके तथा आपदा के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों को तत्काल शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ग्राम स्तर के जनप्रतिनिधियों, सदस्यों एवं अधिकारियों को सूचनाओं के आदान-प्रदान से संबंधित उपकरण एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जाए ताकि कोई आपदा घटित होन पर वे शीघ्रता से इसकी जानकारी जिला मुख्यालय एवं प्रदेश मुख्यालय को दे सकें। मंत्री ने कहा कि किसी आपदा के घटित होने पर राहत एवं बचाव कार्य शीघ्रता से हो सके इसके लिए जरूरी है कि न्याय पंचायत स्तर पर आपदा मित्र एवं आपदा सखी बनाये जाएं।

पुलिस ने आठ वारंटियों को किया गिरफ्तार

रुड़की। कोतवाली पुलिस ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे आठ वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सभी वारंटियों का चालान कर उन्हें कोर्ट में पेश किया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सिंह कोश्यारी ने बताया कि तहसील क्षेत्र के कुछ लोगों के खिलाफ मामले कोर्ट में विचाराधीन है, लेकिन वह पिछले कुछ दिनों से कोर्ट में शामिल नही हो रहे थे। जिसके चलते कोर्ट ने उनके वारंट जारी किए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थान पर छापा मारकर आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक को यूटिलिटी वाहन ने रौंदा

देहरादून। दून में रफ्तार का कहर थमने का नाम नही ले रहा है। रविवार सुबह मोहकमपुर फ्लाईओवर के पास बेकाबू यूटिलिटी चालक ने मॉर्निंग वॉक पर निकले व्यक्ति को कुचल दिया। मृतक अपने गरीब परिवार का इकलौता सहारा था। निधन से तीन छोटे बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है। मूलरूप से बड़कोट, उत्तरकाशी के वार्ड सात निवासी अनोद नौटियाल हाल में मोहकमपुर में गढ़ विहार फेस दो में रहते हैं। रविवार सुबह करीब मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। जब वह आईआईपी गेट नंबर-2 के पास पहुंचे तभी एक यूटिलिटी वाहन के चालक ने तेज गति से वाहन चलाते हुए उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अनोद सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए तो मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया।

शांति, संतुलन और सामंजस्य स्थापित करने का माध्यम है योग: स्वामी चिदानंद

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि आज के युग में योग की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। योग हमें व्यक्तिगत रूप से सशक्त बनाता है, समाज और विश्व में शांति, संतुलन और सामंजस्य स्थापित करने का माध्यम भी बनता है।सोमवार को परमार्थ स्कूल ऑफ योग द्वारा संचालित योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स कर रहे विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी जड़ों से जुड़ें, अपनी संस्कृति को समझें और योग के माध्यम से अपने जीवन को सार्थक बनाएं। परमार्थ निकेतन सदैव से ही विश्व को "वसुधैव कुटुम्बकम्" के संदेश से जोड़ने का कार्य करता रहा है।यहां आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव न केवल योग शिक्षा का केंद्र है, बल्कि वैश्विक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संवाद का सेतु भी है। इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा आज भी विश्व को दिशा दे रही है। इस मौके पर योगाचार्य आभा सरस्वती, योगाचार्य डॉ. इंदू शर्मा, योगाचार्य गंगा नंदिनी, योगाचार्य गायत्री गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

डिप्लोमा इंजीनियर्स की हड़ताल 15वें दिन भी जारी, मांगें पूरी होने तक आंदोलन का ऐलान

अल्मोड़ा, उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की हड़ताल सोमवार को पंद्रहवें दिन भी जारी रही। शक्ति सदन में आयोजित धरना-प्रदर्शन में लोक निर्माण, सिंचाई और ग्रामीण निर्माण विभाग समेत विभिन्न घटक संघों के अभियंता शामिल हुए।

बैठक की अध्यक्षता गणेश जोशी ने की। इस दौरान अभियंताओं ने 27 सूत्रीय मांगों के पूर्ण होने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रखने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि हड़ताल के चलते विकास कार्य प्रभावित हो सकते हैं, लेकिन इसकी जिम्मेदारी उनकी नहीं होगी। अभियंताओं की प्रमुख मांगों में 10 वर्ष में प्रथम एसीपी के तहत 5400 ग्रेड पे, 16 वर्ष में 6600 और 26 वर्ष में 8700 ग्रेड पे, अभियंत्रण विभागों में न्यूनतम तीन पदोन्नति, पेयजल एवं जल संस्थान का राजकीयकरण, पुरानी पेंशन बहाली, आईटी भत्ता, फील्ड स्टाफ की नियुक्ति और गैर तकनीकी कार्यों से मुक्ति शामिल हैं।

डिप्लोमा इंजीनियरों की हड़ताल से विकास कार्य लड़खड़ाये

हल्द्वानी। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की 27 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रही हड़ताल सोमवार को 15वें दिन भी जारी रही। अलग अलग विभाग के इंजीनियरों की टीम ने कई निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।महासंघ के तय आंदोलन कार्यक्रम के तहत सोमवार दोपहर पेयजल निगम और सिंचाई विभाग से जुड़े इंजीनियरों वाईएस रावत, जगदीश राणा, देवेंद्र आर्या, विनोद भंडारी आदि की टीम ने हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं का निरीक्षण किया। एई वाईएस रावत ने बताया कि निरीक्षण के दौरान शहर में चल रहे कई काम बंद मिले। कई स्थानों पर काम लगभग बंद जैसी स्थिति में मिला। लोक निर्माण विभाग परिसर में बैठक में वक्ताओं ने कहा कि आंदोलन के 15 दिन बाद भी सरकार ने डिप्लोमा इंजीनियरों की मांगों पर ठोस पहल नहीं की है। इससे इंजीनियरों में नाराजगी बढ़ रही है। चेतावनी दी कि जब तक 27 सूत्रीय मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होता, तब तक कार्यबहिष्कार और हड़ताल जारी रहेगी। बैठक में कहा गया कि जिला स्तरीय प्राधिकरण, यूयूएसडीए, पेयजल, जल निगम जैसे विभागों के इंजीनियर आंदोलन में शामिल हैं। जिससे नक्शा पास, पेयजल आपूर्ति और अन्य विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।हड़ताल से यह काम प्रभावितगौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में लगभग 53 करोड़ रुपये की लागत से बन रही सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य बंद।काठगोदाम स्थित हिल डिपो में भी निर्माण कार्य नहीं हो रहा था।जमरानी बांध परियोजना से जुड़े नहर चौड़ीकरण, सीवर और अन्य कार्यों की रफ्तार काफी धीमी हो गई है।

नहरों में अतिक्रमण, खेतों में नहीं पहुंच रहा पानी

कोटद्वार नगर निगम के अंर्तगत नाली चौक होने से सड़क पर बहता सिंचाई का पानी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र में काश्तकारों के खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए बनाई गई नहरों पर अतिक्रमण हो गया है। नतीजा, खेत के बजाय सड़कें पानी से तर हो रही हैं। जगह-जगह पानी जमा होने से लोगों का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। नहरों की सफाई व अतिक्रमण हटाने के लिए लगातार शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम लापरवाह बना हुआ है। दुर्गापुरी, मोटाढांक, किशनपुर, जसोधरपुर सहित अन्य क्षेत्रों में बड़ी संख्या में काश्तकार खेती करते हैं। काश्तकारों के खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए जगह-जगह ट्यूबवैल बनाए गए हैं। नहरों के माध्यम से यह पानी खेतों तक पहुंचता है। लेकिन, वर्तमान में कई स्थानों पर लोगों ने नहरों में अतिक्रमण कर दिया है। जिसके कारण पानी खेतों तक पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रहा। साथ ही कई लोग घरों से निकलने वाले कूड़े को भी नहरों में डाल रहे हैं। जिससे नहर चोक हो रही है। इन दिनों सुबह से शाम तक मोटाढांग से किशनपुर की ओर जाते समय सड़क पर यह नजारा आसानी से देखा जा सकता है। कई स्थानों पर आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। लोगों को बीच सड़क से होकर गुजरना पड़ता है। जिससे हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। काश्तकार श्याम सिंह, मुन्ना सिंह ने बताया कि कई लोगों ने स्थाई निर्माण कर नाली का आकार छोटा कर दिया है, जिससे पानी सड़क पर बह रहा है। इस संबंध में कुछ दिन पूर्व अधिकारियों को भी ज्ञापन दिया गया था। लेकिन, स्थिति जस की तस बनी हुई है।

सनेह क्षेत्र में भी समस्या

सनेह क्षेत्र के लिए खोह नदी से सिंचाई व्यवस्था बनाई गई है। लेकिन, नदी से नगर की ओर आने वाली नहर पर अतिक्रमण बना हुआ है। स्थनीय अतिक्रमण के कारण काश्तकारों के खेतों तक पानी नहीं पहुंच पाता। जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। पूर्व में कश्तकार व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग उठा चुके हैं। लेकिन, हालात जस के तस हैं।

शिविर का 120 लोगों ने उठाया लाभ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वरिष्ठ नागरिक संगठन की ओर से आयोजित स्वास्थ्य शिविर का 120 लोगों ने लाभ उठाया। इस दौरान लोगों को बेहतर स्वास्थ्य की जानकारी दी गई।

पीएल खंतवाल के नेतृत्व में मानपुर में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। चिकित्सकों ने कहा कि हमें बाहर खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों का सेवान नहीं करना चाहिए। इससे हमारे स्वास्थ्य को सबसे अधिक नुकसान होता है। किसी भी तरह की शिकायत होने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। शिविर में 120 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच की। इस मौके पर महासचिव रिपुदमन बिष्ट, राजेंद्र सिंह बिष्ट, महेंद्र अग्रवाल, शंकर दत्त, विनोद नेगी आदि मौजूद रहे।

छात्र संख्या बढ़ाने को निकाली रैली

जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखण्ड एकेश्वर के अन्तर्गत पब्लिक इण्टर कॉलेज सुरखेत में छात्र नामांकन बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे प्रवेशोत्सव अभियान के तहत शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने रैली निकाली। इस दौरान अभिभावकों को अपने बच्चों का प्रवेश सरकारी विद्यालय में करवाने की अपील की गई।

स्कूल चलो अभियान रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने जानकारी देते हुए बताया कि एक अप्रैल से शुरू हुए शैक्षिक सत्र 2026-27 में प्रदेश के शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में छात्र नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षा विभाग के द्वारा चलाए जा रहे प्रवेशोत्सव व स्वागतोत्सव कार्यक्रम के तहत शिक्षकों के द्वारा गांव-गांव और घर-घर जाकर अभिभावकों से सम्पर्क करके अपने पाल्यों को प्रवेश दिलाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को पुस्तकें व पाठ्य सामग्री प्रदान करके सम्मानित किया जा रहा है। आठ अप्रैल को समस्त शिक्षण संस्थाओं में स्वागतोत्सव कार्यक्रम आयोजित करके नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों का स्वागत किया जाएगा। विद्यालय के शिक्षकों प्रमोद कुमार रमोला, रामेन्द्र भण्डारी, प्रकाश कैंथोला, संजय कुमार, प्रमोद रावत, नीरज कुमार रमोला और विजेता गडोई के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने सेवित गांवों धरासू, पालकोट, मरडा और बुरसोली में स्कूल चलो अभियान रैली निकाल कर अभिभावकों को जागरूक किया।

ट्रक दूसरे वाहन से टकराया, हादसा टला

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर शिवमूर्ति के समीप सोमवार तड़के एक ट्रक के ब्रेक फेल होने के कारण वह दूसरे वाहन से जा टकराया जिससे चालक केबिन में फंस गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।थाना प्रभारी प्रशांत बहुगुणा ने बताया कि हरिद्वार के भगवानपुर से सीमेंट लेकर रुद्रप्रयाग जा रहे एक ट्रक के शिवमूर्ति के पास ब्रेक फेल होने से वह अनियंत्रित हो गया और आगे चल रहे वाहन से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का केबिन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक फैसल खान, निवासी बागपत, उत्तर प्रदेश उसमें बुरी तरह फंस गया। अन्य वाहन चालकों और पुलिस टीम ने सब्बल, गैंती व कटर आदि उपकरणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद केबिन को काटकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। चालक के पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। उसे 108 एंबुलेंस से बागी अस्पताल भिजवाया गया। इसकी सूचना वाहन स्वामी और घायल के परिजनों को दी गई है। (एजेंसी)

12 अप्रैल को दून में निकालेंगे बाइक रैली

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय पुरानी पेंशन वाली संयुक्त मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी के आह्वान पर 12 अप्रैल को होने वाली बाइक रैली के लिए सोमवार को कीर्तिनगर में बैठक हुई। इस मौके पर संयुक्त मोर्चा के गढ़वाल मंडल महामंत्री राजीव उनियाल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के लिए 12 अप्रैल को देहरादून में प्रस्तावित बाइक रैली के माध्यम से सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग की जाएगी। उन्होंने रैली में सभी कर्मचारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। मोर्चा के कीर्तिनगर ब्लॉक के अध्यक्ष संदीप मैठाणी ने कहा कि हम सभी कर्मचारियों को एकजुटता का प्रदर्शन करना होगा जिससे 2027 के विधानसभा चुनाव से पूर्व सरकार से अपनी वर्षों पुरानी मांग को मनवा सकें। इस मौके पर सुरजीत लिंगवाल, विनोद चौहान, विजय आर्य, दीपक मियां, आदित्य कठैत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

विशेष कार्डियो ओपीडी कल

श्रीनगर गढ़वाल : मेडिकल कॉलेज के टीचिंग बेस अस्पताल में 8 अप्रैल (बुधवार) को विशेष कार्डियो ओपीडी आयोजित की जाएगी। ओपीडी में वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. संदीप मालविया मरीजों की जांच करें एवं परामर्श देंगे।

सीने में दर्द, उच्च रक्तचाप, धड़कन की अनियमितता, सांस फूलना आदि से पीड़ित मरीज इस विशेष ओपीडी में पहुंचकर लाभ उठा सकते हैं। यह कार्डियो ओपीडी बेस अस्पताल की जनरल मेडिसिन ओपीडी के समीप आयोजित की जाएगी। ओपीडी पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगी। (एजेंसी)

कार्यकर्ता संगठन की मजबूती के लिए कार्य करें

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा के स्थापना दिवस पर श्रीनगर मंडल कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने पार्टी की विचारधारा, नीतियों और राष्ट्र निर्माण में संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि संगठन की मजबूती और सेवा भाव के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का कार्य निरंतर करते रहें।

ज्ञानसू—गंगोरी जाम के खिलाफ कांग्रेस मुखर

उत्तरकाशी। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने ज्ञानसू से गंगोरी से बीच उत्पन्न हो रही जाम की समस्या को प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने हाईवे पर सुबह आठ से रात की 11 बजे तक भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने और निर्माण सामग्री हटवाने की मांग की है। चेतावनी दी कि आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो जनता के साथ आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। कांग्रेसियों ने जाम सहित अन्य कई समस्याओं को लेकर सोमवार को एसपी को ज्ञापन सौंपा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप रावत ने कहा कि आगामी यात्रा सीजन प्रारंभ होने से पहले वाला है लेकिन वर्तमान में सुबह और शाम को ज्ञानसू से गंगोरी के मध्य भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। जाम के कारण आमजन, पर्यटकों एवं विद्यार्थियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी ने मांग रखी है कि सुबह आठ बजे से रात्रि 11 बजे तक ट्रक आदि भारी वाहनों का संचालन नगर बाईपास से किया जाए। सड़क किनारे अव्यवस्थित खड़े वाहनों को हटाकर नो–पार्किंग नियम सख्ती से लागू किया जाए। जहां सड़क पर्याप्त चौड़ी है वहां चिन्हांकन कर व्यवस्थित पार्किंग स्थल विकसित किए करने की मांग रखी। सड़क किनारे रखी निर्माण सामग्री पर सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित लोगों का चालान की कार्रवाई करने को कहा।निर्माण सामग्री भी जाम की समस्या का कारण बन रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

उत्तरकाशी। जिलेभर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मांगों को लेकर धरना जारी है। सोमवार को विकासखंड डुंडा और भटवाड़ी से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। साथ ही प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मांगों के समाधान की मांग की। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका व मिनी कर्मचारी संगठन की जिलाध्यक्ष विजयलक्ष्मी नौटियाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता डुंडा और भटवाड़ी से कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। उन्होंने कलेक्ट्रेट में जमकर नारेबाजी करते हुए सरकार से मानदेय वृद्धि की मांग उठाई। जिलाध्यक्ष विजयलक्ष्मी ने बताया कि मांगों को लेकर जिलेभर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ब्लॉकों में पूरी तरह से कार्य बहिष्कार पर हैं। कार्यकर्ताओं ने बताया कि उनका प्रदर्शन शांतिपूर्ण है और उनका उद्देश्य केवल अपनी समस्याओं को सरकार के समक्ष रखना है। प्रदर्शनकारियों में जिलाध्यक्ष विजयलक्ष्मी, भुवनेश्वरी, वंदना नौटियाल शामिल थे।

200 से अधिक पूर्व सैनिकों व अन्य लोगों ने ली उक्रांद की सदस्यता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उक्रांद कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती का संकल्प लिया। इस दौरान दो सौ से अधिक पूर्व सैनिकों व अन्य लोगों ने दल की सदस्यता ग्रहण की। साथ ही दल से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का भी संकल्प लिया गया।

दल की ओर से ओर घमंडपुर में सदस्यता अभियान समारोह का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल ने राज्य गठन के लिए संघर्ष किया। केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती ने कहा कि हमें संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। विशिष्ट अतिथि दल के संरक्षक डॉ. शक्तिशैल कपरवाण ने कहा कि उक्रांद ने सदैव जन मुद्दों को लेकर संघर्ष किया। महानगर अध्यक्ष जगदीपक रावत ने कहा कि हमें भ्रष्टाचार मुक्त, माफिया मुक्त, अपराध मुक्त उत्तराखंड बनाना है। संचालन कर रहे सत्यप्रकाश भारद्वाज ने कहा कि कोटद्वार क्षेत्र मौलिक समस्याओं से ग्रस्त है। राज्य सरकार और नगर निगम समस्याओं के समाधान में फेल हो चुका है। इस मौके पर प्रवेश नवानी, महेंद्र सिंह रावत, कर्नल सुनील कोटनाला (रि.), कर्नल सुनील चौहान (रि.), कर्नल कैलाश देवरानी (रि.), कर्नल विनोद नेगी (रि.), गणेश काला, सेवानिवृत्त सूबेदार मेजर महिपाल पुंडीर, वीपी भट्ट, शांति भट्ट, उमेद सिंह भंडारी, भारत मोहन काला, सत्यपाल सिंह नेगी, किरण नौगाईं, भगवती प्रसाद कंडवाल आदि मौजूद रहे।

उक्रांद की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते अतिथि

राष्ट्र सेवा का एक सशक्त माध्यम है भाजपा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा सरकार के विकास कार्यों की प्रशंसा की गई। कहा कि राष्ट्र सेवा का एक सशक्त माध्यम है।

भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, लैंसडौन विधायक महंत दिलीप रावत, महापौर शैलेन्द्र सिंह रावत ने पार्टी का ध्वज फहराकर एवं दीप प्रज्वलित कर स्थापना दिवस पर्व का विधिवत शुभारंभ किया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का एक सशक्त माध्यम है। वक्ताओं ने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी एवं डॉ. मुरली मनोहर जोशी आदि महान नेताओं का स्मरण करते हुए पार्टी की वैचारिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। कहा कि इन महान विभूतियों के त्याग, तपस्या और राष्ट्रवाद की भावना के कारण ही आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन सकी है। लैंसडौन विधायक महंत दिलीप रावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय के ह्लअंत्योदयह्व के सिद्धांत को चरितार्थ करती हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे समाज के हर वर्ग के बीच जाकर सरकार की उपलब्धियों को साझा करें। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता उमेश त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष मोहन सिंह नेगी, विजयानंद पोखरियाल, अल्पसंख्यक मोर्चे के जिला अध्यक्ष सरदार गुरबचन सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनीता देवी, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र सिंह सैनी, युवा मोर्चा जिला महामंत्री विजय रावत आदि मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते भाजपा विधायक, महापौर व अन्य

ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी फसल हुई बर्बाद

उत्तरकाशी। क्षेत्र में बीते दिनों हुई भारी ओलावृष्टि ने किसानों और बागवानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। इससे खेतों में खड़ी गेहूं, जौ, सरसों सहित सब्जियां बर्बाद हो गई है। वही सेब, नाशपाती और अन्य फलों के बागानों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। कई किसानों का कहना है कि फसल पूरी तरह चौपट हो गई है जिससे उनके सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इस संबंध में सोमवार को प्रधान संगठन ब्लॉक पुरोला ने उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला को ज्ञापन सौंपकर स्थिति से अवगत कराया। संगठन के प्रतिनिधियों ने बताया कि ओलावृष्टि का प्रभाव क्षेत्र के कई गांवों में देखा गया है,

नए शैक्षिक सत्र के एक सप्ताह बाद भी नहीं हुआ एक भी प्रवेश

कोटद्वार। नैनीडांडा ब्लॉक के तहत राजकीय प्राथमिक विद्यालय कफलटंडा में नए शैक्षिक सत्र शुरू हुए एक सप्ताह बीत चुका है लेकिन अभी तक विद्यालय में एक भी नए छात्र का प्रवेश नहीं हो पाया है। विद्यालय में पूर्व में एक शिक्षिका की तैनाती थी। तीन माह पहले एक और अध्यापक की तैनाती की गई है। आलम यह है कि अब छात्र संख्या शून्य हो चुकी है। नैनीडांडा ब्लॉक के तहत राजकीय प्राथमिक विद्यालय कफलटंडा में पिछले साल एक ही छात्र था जो कि प्राथमिक शिक्षा पूर्ण कर चुका है। एक अप्रैल को नया शैक्षिक सत्र प्रारंभ हो चुका है लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी विद्यालय में किसी भी नए छात्र ने प्रवेश नहीं लिया है जिससे विद्यालय में छात्र संख्या शून्य हो चुकी है। हैरत की बात यह है कि शिक्षा विभाग की ओर से तीन माह पहले ही एक अन्य शिक्षक अगम राणा की तैनाती की गई है। विद्यालय में एक शिक्षिका अमरजीत कौर पहले से ही सेवारत है। छात्र संख्या शून्य होने के बाद भी दोनों शिक्षकों का नजदीकी विद्यालय में समायोजन नहीं हो पाया है। ग्राम प्रधान मनोज मधवाल ने बताया कि वर्तमान में विद्यालय में छात्र संख्या शून्य हो चुकी है। विद्यालय में छात्रों के प्रवेश के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। गांव की आंगनबाड़ी में पढ़ाई कर रहे दो बच्चे आगामी सितंबर में छह वर्ष की आयु पूर्ण कर लेंगे। इसके बाद उनका प्रवेश विद्यालय में कराया जाएगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राईविंग लाईसेंस नंबर SK 012006 0025055 में मेरे पिताजी का नाम N.S BISHT दर्ज हो गया है। जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरे पिताजी का नाम नरेन्द्र सिंह बिष्ट दर्ज है। नरेन्द्र सिंह बिष्ट व N.S BISHT दोनों मेरे पिताजी के ही नाम है। अतः मेरे ड्राईविंग लाईसेंस में पिताजी का पूर्ण नाम नरेन्द्र सिंह बिष्ट दर्ज किया जाय।

अजय सिंह बिष्ट पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट निवासी ग्राम चमाली, पोस्ट सतपाली, तहसील चौबट्टाखाल, पौड़ी, उत्तराखण्ड।
(0490/21)

उत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र

निविदा संख्या– 1RT-TELE-BAGSCANR, SNT-SigLC-Interlocking, SNT-RTSIG-PRI-GCT, 05-SNTRT1-Sig-SSDAC- MSDAC 01-TELE-Six-shed दिनांक- 02.04.2026

विषय:–मुरादाबाद मंडल के संकेत एवम् दूरसंचार के टेंडर की निविदा के सम्बन्ध में ।

सन्दर्भ:–(1) इस कार्यालय का टेंडर नोटिस संख्या 1RT-TELE-BAGSCANR, SNT-SigLC-Interlocking, SNT-RTSIG-PRI-GCT, 05-SNTRT1-Sig-SSDAC- MSDAC 01-TELE-Six-shed dated 02.04.2026

उक्त सन्दर्भ में मुरादाबाद मंडल की एस0 एंड टी० शाखा के निम्न कार्य के लिए निविदा अग्रिम धन में बदलाव किया गया

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	निविदा प्रस्तुत करने की पुरानी अग्रिम धन रुपये	नयी तिथि निविदा प्रस्तुत करने का संशोधित अग्रिम धन
1	2	4	5
1	**SNT-RTSIG-PRI-GCT-2024-25** पथरी कॉमन यूजर ट्रैफिक फेसिलिटि एट पथरी इन सी/डब्लू कानकार जीसीटी	263400.00	453500.00
2	**05-SNTRT1-Sig-SSDAC-MSDAC** प्रोविजन ऑफ SSDAC/MSDAC इन लिएउ ऑफ ओवरएज्ड यूनिवर्सल एक्सल काउंटरस इन चंदौसी–बरेली सेक्शन ऑफ मुरादाबाद डिवीज़न	222800.00	291100.00

नोट:– बाकी अन्य शर्तों में कोई बदलाव नहीं है। 1134/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सफल उद्यमी के लिए साहस, धैर्य और नवाचार का गुण महत्वपूर्ण

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि जीवन को सफल बनाने और मंजिल को पाने के लिए आत्मसंयम जरूर बनाए रखें। जीवन में कई तरह की कठिनाइयां व संकट आते हैं, मगर उन्हें देखकर घबराना नहीं चाहिए। आत्मसंयम हमें कठिनाइयों से सबक लेना सिखाता है। जिनके बल पर ही हम आगे बढ़ते हुए विवेक की लौ जलाकर सफलता की इबारत लिखते हैं।

कार्यक्रम में उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से नियुक्त रिसार्से पर्सन के रूप में दिलीप सिंह कुशवाह, प्रोग्राम ऑफिसर ने उद्यम, उद्यमिता व उद्यमी के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। भारत और विश्व के कुछ सफल उद्यमियों के उदहारण प्रस्तुत किए। वर्तमान में पर्वतीय क्षेत्र में नये स्टार्टअप की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एक अभिरूचि टेस्ट भी संपन्न करवाया गया, जिसके आधार पर बूट-कैंप के लिए छात्र-छात्राओं का चयन करवाया जाएगा। बूट कैंप संपन्न करने वाले छात्र-छात्राओं में से छः दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के लिए चयन होगा। तीन दिवसीय ईडीपी पूर्ण करने वालें छात्रों में से चयनित छात्र-छात्राओं को एक लाख रुपये की धनराशि शीड फण्ड के रूप में प्रदान की जाएगी। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने बताया कि एक उद्यमी के लिए साहस, धैर्य और नवाचार का गुण महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन नोडल अधिकारी डॉ. नीरज असवाल ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुरोला में काठगोदाम ने जीता फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब

उत्तरकाशी। कमल नदी के तट स्थित खेल मैदान में चल रहा राज्यस्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न हो गया है। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में काठगोदाम और पुरोला ए के बीच रोमांचक भिड़ंत हुई जिसमें काठगोदाम ने 3–0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

मिशन कर्मयोगी साधना सप्ताह में कार्मिकों के कौशल विकास पर जोर

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिला कार्यालय में क्षमता विकास आयोग की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मिशन कर्मयोगी साधना सप्ताहह्व का आयोजन जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी कार्मिकों के कौशल एवं कार्यक्षमता को बढ़ाना तथा उन्हें आधुनिक प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना रहा। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक विभाग अपने शत-प्रतिशत कार्मिकों का नामांकन आईजीओटी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पहल कर्मियों के सतत प्रशिक्षण और दक्षता वृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी कार्मिकों को सप्ताह में न्यूनतम चार घंटे ऑनलाइन शिक्षण करना अनिवार्य होगा। इस दौरान वे कम से कम एक कोर्स पूर्ण कर उसका प्रमाण पत्र प्राप्त करेंगे। इससे न केवल उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी, बल्कि शासन की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में भी सहायता मिलेगी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी

E-mail:-eepwdcdpauri@gmail.com, eepwdcdpauri@fediffmail.com, Fax & Phone No. (01368-222284)

पत्रांक- 522/20ए0सी0 दिनांक 06/04/2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्न कार्य की ई-निविदा (सिंगल बिड) आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित सभी सूचनायें http://www.uktender.gov.in पर दिनांक 15.04.2026 से उपलब्ध होगी।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता (दिन)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह)	ठेकेदार की श्रेणी।
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के विकासखण्ड पोखड़ा में पनखेत से लटिबो मोटर मोटर मार्ग का सुधारीकरण एवं क्षतिग्रस्त दीवारों का निर्माण कार्य। (लम्बाई 2.050 कि0मी0)	63000.00	2500.00 +18%GST	90	06	लोक निर्माण विभाग मार्ग कार्य हेतु श्रेणी- ''डी'' एवं उच्चतर

शर्तें

1- अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये किसी भी निविदा को निरस्त/स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।
2- निविदा शुल्क रू0 2500.00 एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 शुल्क अलग-अलग मान्य होगा।
3- निविदादाता को सभी अभिलेख ऑन लाईन अपलोड करने हैं, कार्यालय में कोई भी अभिलेख मूल में जमा नहीं किया जाना है।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी

(0101/57)

संपादकीय

लूट का खेल, बेबस सरकार

हमारे देश में नौनीहालों की शिक्षा का एक अजब ही हाल है। शिक्षा असल में अपने लक्ष्य से भटक कर एक लाभ कमाने का व्यवसाय बन चुका है जिसमें प्रकाश को से लेकर स्कूल प्रशासन तक बेलगाम कीमतें वसूल रहे हैं। हालांकि पूरे देश में महंगी किताबें को लेकर बहस छिड़ी हुई है लेकिन एक भी मामला ऐसा प्रकाश में नहीं आया है जब किसी प्रदेश के मुख्यमंत्री या किसी विशेष जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किताबों की बेलगाम कीमतों एवं इस पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए कोई दिशा निर्देश जारी किया हो। इधर सरकार सरकारी विद्यालयों में किताबें मुहैया कर रही है, फिर वह चाहे एनसीईआरटी की हो या फिर राज्य सरकार द्वारा संचालित पुस्तक, इनका दाम या तो बेहद कम है या फिर प्राथमिक स्तर पर कुछ राज्य सरकार है इन्हें छात्रों को निशुल्क भी उपलब्ध कराती है। हालांकि सरकारी शिक्षा की दिशा और दशा किसी से छुपी नहीं है और इसी का लाभ शिक्षा माफिया पूरी तरह से उठा रहे हैं। इस बार का शैक्षिक सत्र शुरू होने के साथ किताबें और नोटबुक की लूट का दौरा शुरू हुआ जिसमें कल्पना कीजिए की नर्सरी और पहली क्लास के बच्चों की पुस्तकों का सेट पांच से 6 हजार का है तो कल्पना की जा सकती है कि शिक्षा के नाम पर बच्चों को किस प्रकार की पुस्तक में थोपी जा रही है और इन पुस्तकों में आखिर ऐसा क्या ज्ञान छिपा है जो एक साठ रुपए की किताब में नहीं है? सीधे तौर पर यह मनमाना व्यवसाय है जिसमें निजी स्कूल उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के सपने दिखाकर अपने मनमाने तरीके से निजी प्रकाशकों से पाठ्यक्रम तैयार करवाते हैं ताकि ना तो वह पुस्तकें किसी दूसरे प्रकाशक के पास उपलब्ध हों और ना ही अभिभावक उन्हें किसी भी तरह से कहीं और से प्राप्त कर सके। इसी तरह दूसरी कक्षाओं की किताबें भी 8 से 10 हजार में दी जा रही है जिनमें कुछ पुस्तक तो शायद पूरे सत्र के दौरान प्रयोग में ही नहीं लाई जाती। अब सवाल यह उठता है कि सरकार, प्रशासन और अभिभावक तक यह जानते हैं कि यह सीधे तौर पर लूट का खेल है जिसमें शिक्षा की गुणवत्ता मायने नहीं रखती बल्कि मायने यह रखता है कि अप्रैल के महीना किस तरीके से अभिभावकों की जेब से उनकी गाड़ी कमाई निचोड़ सके! फरमान दिए जाते हैं कि पुस्तक एक निश्चित बुक सेलर के पास मिलेंगे या फिर विद्यालय प्रशासन बाकायदा काउंटर लगाकर अभिभावकों पर पुस्तक थोपेगा। बेहद शर्म की बात है कि सरकार लूट का यह खुला खेल आंखें बंद करके देख रही है और यही कारण है कि सरकारी शिक्षा का बद से बदतर हाल होता चला जा रहा है। यह एक बहुत बड़ा सवाल है कि आखिर सरकार की इस चुप्पी के पीछे कारण क्या छिपा है? आखिर क्यों केंद्र सरकार राज्य सरकार या फिर जिला प्रशासन सब कुछ देखते हुए भी कदम उठाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा है। आखिर इन विद्यालयों को किसका संरक्षण प्राप्त है जो यह एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू होने के बावजूद भी उक्त बोर्ड की पुस्तक लागू नहीं करते। एक बार सरकार पूरे देश में "एक समान शिक्षा नीति" लागू कर दे और इसे सख्त कानून के दायरे में ले तो शायद यह स्थिति सुधर सके लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में बड़े–बड़े प्रभावशाली और सत्ता तक पहुंच रखने वाले लोग ही जब अपना संरक्षण प्रदान कर रहे हो तो फिर लूट का यह खेल आसानी से थम पाएगा इसकी कल्पना करना ही बेकार है। दुर्भाग्य यही है कि आम व्यक्ति हे बार मजबूर है 65 की पुस्तक 500 की खरीदने के लिए, क्योंकि उनके लिए ना तो कोई सरकार खड़ी है और ना ही खुद वह विद्यालय जहां से वह अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य का सपना देख रहे हैं।

चिंतन-मनन

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं।

सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने खोया मानसिक संतुलन, गाली गलौज पर उतरे

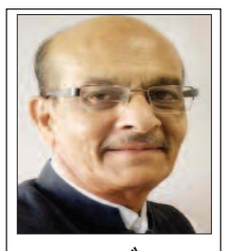

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उसके बाद से ही उनकी कथनी और करनी को लेकर सारी दुनिया में उनकी एक नई छवि बनी है। पिछले 1 साल में उन्हें एक अहंकारी नेता के रूप में देखा जा रहा था। पिछले एक साल में जिस तरह से उन्होंने टैरिफ को लेकर आतंक मचाया था। उस समय उनकी पहचान एक गैंगस्टर के रूप में बनी थी। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में होता है। उसके बल पर वह जो दादागिरी कर रहे थे, उसी समय से उनका विरोध होना शुरू हो गया था। उन्होंने वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करते हुए अपने मनमाने नियम और कानूनों के बल पर वसूली करने की जो प्रक्रिया शुरू की थी, उसी समय एक गैंगस्टर की तरह उनकी पहचान बनी। जिस तरह से उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण कर अमेरिका लाया। वेनेजुएला की सत्ता में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका ने खुलेआम कब्जा किया। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया। उसके बाद उनकी हिम्मत बढ़ी, उन्होंने ईरान मे अयातुल्लाह खामेनेई की सत्ता के खिलाफ ईरान की जनता को भड़काया, वहां पर आंदोलन कराए, खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिश ट्रम्प ने की। जब यह प्रयास सफल नहीं हो पाया, उसके बाद अमेरिका और इजरायल ने बातचीत में उलझा कर ईरान के ऊपर हमला कर दिया। ईरान की सत्ता के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित दर्जनो नेताओं और रक्षा अधिकारियों की हत्या कर दी गई। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने सोचा था, जनता विद्रोह करेगी और वह ईरान के पूर्व राज परिवार के निष्कासित सदस्य को ईरान की सत्ता सौंप देंगे। ट्रंप का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका की इस कार्यवाही का भरपूर जवाब दिया। पिछले 35 दिनों में ईरान ने बता दिया है, वह युद्ध का मुकाबला और अपनी रक्षा करने में सक्षम है। पिछले 35 दिनों में जिस तरह से ईरान ने अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए, जिस तरह का नुकसान पहुंचाया है, उसकी कल्पना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नहीं की थी। इतनी करारी चुनौती अमेरिका को ढाई सौ साल के इतिहास में कभी नहीं मिली, जो ईरान से मिल रही है। ईरान ने एक ही झटके में पिछले 47 सालों से अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाकर जो दादागिरी की जा रही थी। ईरान ने एक ही बार में जवाब देकर अमेरिका के अहंकार को तोड़ते हुए, जिस तरह से भयमुक्त लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे लगता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें। इस युद्ध में रोजाना अमेरिका को आरबों रूपयों की राशि खर्च करनी पड़ रही है। अमेरिका की संसद उनसे पूछ रही है, यह युद्ध हम ईरान से क्यों लड़ रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए ट्रम्प बहुत बड़ी राशि संसद से मांग रहे हैं।

ट्रम्प ने युद्ध करने के पहले संसद को विश्वास में नहीं लिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है। खाड़ी देशों की सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पा रहा है। अमेरिका की सारे सैन्य अड्डे ईरान द्वारा बर्बाद कर दिए गए। इसी तरह से इजरायल पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। इजरायल में, नेतान्याहू के खिलाफ जनता का विरोध देखने को मिल रहा है। ऐसी हालत में ट्रंप का यह कहना, ईरान बास्टर्ड है। ईरान को नर्क बना देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने जो पोस्ट की है, उसके शब्द इतने खराब हैं। उसको सह पाना आम आदमी के लिए संभव नहीं है। ट्रम्प ने ईरान के बारे में जिस तरह से पोस्ट में शब्दों का चयन किया है, इसकी दुनिया के देशों में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह कहा जाने लगा है कि ट्रम्प अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण जो रही-सही साख अमेरिका की है, वह कितने दिनों तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश देश मानने लगे हैं, ट्रंप की सनक और अहंकार के कारण सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। खाद का संकट खड़ा हो रहा है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की स्थिति देखने को मिलने लगी है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की हरकत कर रहे हैं, उससे डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की साख को भी भारी नुकसान होता हुआ दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की यही नीति कुछ और दिन चलेगी, तो अमेरिका अपना वर्चस्व सारी दुनिया में खो देगा। ऐसा लगने लगा है जो हाल सोवियत रूस का पूर्व राष्ट्रपति गोर्बाच्योव के समय हुआ था। अब वही स्थिति अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राज्यों और आमजनता में जो नाराजगी देखने को मिल रही है। उससे लगता है ट्रम्प ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति के पद पर नहीं रह पायेंगे।

अशोक खरात जैसे ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी ?

सौरभ वार्ष्णेय

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है।

कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता है, तो उसका असर व्यापक होता है ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है, ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है।

समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है, तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबाइ के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अनिश्चितताओं–राजनीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता–को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग। कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते, बल्कि वे एक पावर हब बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं, जहां संपर्क बनाना आसान होता है।तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है। इससे वे अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करते हैं।चौथा और चिंताजनक कारण है व्यक्तिगत लाभ और संरक्षण की उम्मीद। कुछ लोग यह मानते हैं कि ऐसे बाबा उनके काम बनवा सकते हैं, समस्याएं सुलझा सकते हैं या उन्हें किसी तरह का आध्यात्मिक संरक्षण दे सकते हैं। यह मानसिकता लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक सोच के लिए खतरनाक है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू यह है कि जब वीवीआईपी स्तर के लोग ऐसे व्यक्तियों के पास जाते हैं, तो आम जनता में उनकी विश्वसनीयता स्वतः बढ़ जाती है। इससे अंधविश्वास को बढ़ावा मिलता है और समाज में तर्क और विवेक की जगह कमजोर पड़ती है। यह जरूरी है कि समाज–विशेषकर प्रभावशाली वर्ग–तर्क, वैज्ञानिक सोच और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे। किसी भी व्यक्ति को बिना प्रमाण और जवाबदेही के चमत्कारी मान लेना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी नुकसानदायक हो सकता है।

अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का नाम हाल के वर्षों में उनकी अकूत संपत्ति और गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। नासिक से शुरू हुआ यह मामला केवल एक तथाकथित धार्मिक गुरुइ की कहानी नहीं, बल्कि आस्था के नाम पर खड़े किए गए एक विशाल और संदिग्ध साम्राज्य का खुलासा है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, अशोक खरात ने खुद को ज्योतिषी, तांत्रिक और चमत्कारी शक्तियों वाला व्यक्ति बताकर लोगों, खासकर महिलाओं का विश्वास जीता। इसी विश्वास का दुरुपयोग कर उन्होंने न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर अपराधों को भी अंजाम दिया।सबसे चौंकाने वाला पहलू उनकी संपत्ति को लेकर सामने आया है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पास सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति होने का अनुमान है–कुछ जगहों पर यह आंकड़ा 200 करोड़ से लेकर 500 करोड़ और यहां तक कि 1500 करोड़ रुपये तक बताया गया है। यह संपत्ति न केवल उनके नाम पर, बल्कि पत्नी, बेटी और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर भी पाई गई, जिससे बेनामी निवेश और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका मजबूत होती है।जांच में यह भी सामने आया कि इस तथाकथित आध्यात्मिक साम्राज्य के पीछे एक संगठित तंत्र काम कर रहा था–जिसमें कोड लैंग्वेज, गुप्त कैमरे और ब्लैकमेलिंग के नेटवर्क शामिल थे।इसके अलावा, उनके पास से सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, जो इस पूरे नेटवर्क की गहराई को दर्शाते हैं।

यह मामला केवल व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके तार राजनीति और प्रशासन तक भी जुड़ते दिखाई दिए हैं, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। अशोक खरात का मामला केवल एक व्यक्ति की अकूत संपत्ति का नहीं, बल्कि उस तंत्र का प्रतीक है जिसमें अंधविश्वास, लालच और सत्ता का गठजोड़ समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है।

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी।

स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार...

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वै के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षे प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अव गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरू भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहस अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबा भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं ह लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान ज आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से कि चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79फोन / फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com

अनीत पड्डा की 'शक्ति शालिनी' में हुई विनीत कुमार की एंट्री

मैडॉक का हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक है। इस फ्रेंचाइजी की अधिकतर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट हैं। पिछले साल इस यूनिवर्स की 'थामा' रिलीज हुई थी, जिसको फैंस ने पसंद किया था। अब फैंस इस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का इंतजार कर रहे हैं। अनीत पड्डा की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में एक और दिग्गज एक्टर की एंट्री हुई है। इसके बाद इस फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

अनीत पड्डा के प्रमुख भूमिका वाली 'शक्ति शालिनी' अपनी घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की इस आगामी फिल्म में अभिनेता विनीत कुमार सिंह की एंट्री हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, विनीत कुमार सिंह फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे। वहीं रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि विनीत ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसका निर्माण पिछले साल शुरू हुआ था।

हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की छठी फिल्म है 'शक्ति शालिनी'

आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित 'शक्ति शालिनी' मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की छठी फिल्म है। इससे पहले इस यूनिवर्स की 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या', 'स्त्री 2' और 'थामा' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं। इस प्रोजेक्ट में विशाल जेठवा और अनीत पड्डा 'सलाम वेंकी' के बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा 'थामा' के क्लाइमेक्स के दौरान की गई थी।

सलमान खान के साथ नयनतारा की बनी जोड़ी!

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान की नई फिल्म लेकर एक नया अपडेट है। खबर है कि साउथ के 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' वामशी पेडिपल्ली की इस फिल्म में नयनतारा को कास्ट किया गया है। साउथ सिनेमा की 'लेडी सुपरस्टार' कही जाने वाली नयनतारा इससे पहले शाहरुख खान की 'जवान' के साथ बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं। चर्चा ये भी है कि सलमान खान और मेकर्स ने इसकी रिलीज के लिए अगले साल ईद 2027 की तारीख पक्की कर ली है।

सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अपनी इस नई फिल्म का ऐलान किया था। जबकि अब मंगलवार को ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने खबर दी है कि नयनतारा को सलमान खान के अपोजिट लीड रोल में कास्ट कर लिया गया है। अभी फिल्म की बाकी कास्ट का ऐलान होना भी बाकी है। इससे पहले सलमान खान और प्रोडक्शन हाउस 'श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स' ने सोशल मीडिया पर इस नए प्रोजेक्ट का ऐलान किया। सलमान खान ने जहां वामशी पेडिपल्ली के साथ फोटो शेयर करते हुए अपने खास अंदाज में लिखा, 'दिल, दिमाग, जिगर से अप्रैल से वामशी पेडिपल्ली और दिल राजू के साथ।' वहीं दूसरी ओर, प्रोडक्शन हाउस ने भी इस घोषणा की पुष्टि करते हुए सलमान को 'एक ऐसी हस्ती बताया, जिन्होंने दुनियाभर के दर्शकों को खुशी के अनगिनत पल दिए हैं। अब वे इस प्रोजेक्ट के लिए 'ब्लॉकबस्टर फिल्ममेकर' वामशी पैडिपल्ली के साथ हाथ मिला रहे हैं।

बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर होगी फिल्म

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली को साउथ सिनेमा का 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' कहा जाता है। यह पहली बार है, जब वह बॉलीवुड के लिए फिल्म बना रहे हैं। बताया जाता है कि फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे भव्य पैमाने पर बनाया जा रहा है। इसमें हिंदी और दक्षिण भारतीय, दोनों फिल्म इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों को शामिल किया जाएगा। मेकर्स ने बयान जारी करते हुए कहा है, 'यह फिल्म सलमान खान को पर्दे पर एक ऐसे अवतार में पेश करेगी, जैसा उनके फैंस ने इससे पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म की शूटिंग पूरे भारत में अलग-अलग लोकेशन पर होगी और इसकी शुरुआत 14 अप्रैल से मुंबई में बने एक भव्य सेट से होगी।'

सलमान की 'मातृभूमि' होगी पोस्टपोन

इस बीच सलमान खान की गलवान युद्ध पर बनी 'मातृभूमि' पोस्टपोन होने की भी चर्चा है। फिलहाल, इसकी रिलीज डेट 17 अप्रैल 2026 है, लेकिन अब खबर है कि यह स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14 अगस्त या आसपास रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग अभी बची हुई है। 'इंडियन आइडल' फेम सिंगर-एक्टर प्रशांत तमांग की मौत के कारण इस वॉर-ड्रामा के कई सीन्स को फिर से शूट किया जा रहा है। बीते दिनों सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने की वजह से इसका आखिरी शेड्यूल प्रभावित हुआ है। वैसे भी अब, 17 अप्रैल को अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होगी। इससे भी साफ है कि अक्षय ने यह फैसला अपने दोस्त सलामन से बातचीत के बाद ही लिया होगा।

क्या वामिका गब्बी का टूट गया दिल? एक्ट्रेस ने की क्रिप्टिक पोस्ट

शनिवार को वामिका गब्बी ने अपने इंस्टग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। साथ ही एक क्रिप्टिक मैसेज भी साथ में शेयर किया है। अपनी तस्वीरों के साथ वामिका ने कैप्शन में रेड हार्ट और बैंडेज का इमोजी शेयर किया है। इस क्रिप्टिक पोस्ट को जब डिकोड किया जाता है तो पता चलता है कि ऐसे इमोजी हार्टब्रेक के लिए शेयर किए जाते हैं। तो क्या रियल लाइफ में वामिका गब्बी हार्टब्रेक से गुजर रही हैं। इस पोस्ट से तो यही अंदाजा लगाया जा सकता है। वामिका गब्बी की लव लाइफ की बात करें तो यह पूरी तरह से सीक्रेट है। उनका नाम अब तक किसी एक्टर के साथ भी नहीं जोड़ा गया है। वामिका इन दिनों अपने करियर पर पूरी तरह से फोकस कर रही हैं। 10 अप्रैल को वामिका गब्बी की फिल्म भूत बंगला रिलीज होगी। इसमें वह अक्षय कुमार के अपोजिट नजर आएंगी।

सत्य घटना पर आधारित होगा अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच आज अजय ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान सोशल मीडिया पर किया है। अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट सत्य घटना पर आधारित होगा। जिसकी रिलीज डेट से भी अजय ने पर्दा उठा दिया है। अजय ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस पोस्ट में अजय ने हाथ में एक फ्लॉपी डिस्क पकड़ रखी है, जिस पर लिखा है - 'हैप्पी बर्थडे जोशी।' इस प्रोजेक्ट का निर्माण अजय देवगन और दानिश देवगन मिलकर करेंगे। इसका निर्देशन अंशुल कुमार शर्मा करेंगे। हालांकि, यह जानकारी नहीं दी है कि यह एक फिल्म है या सीरीज। अजय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने अगले प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए लिखा, 'हर किसी की एक सीमा होती है, उसकी तो पूरी दुनिया में फैल गई।' अजय ने यह भी बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगा। अजय के इस पोस्ट पर विंदू दारा सिंह ने लाल इमोजी बनाया है।

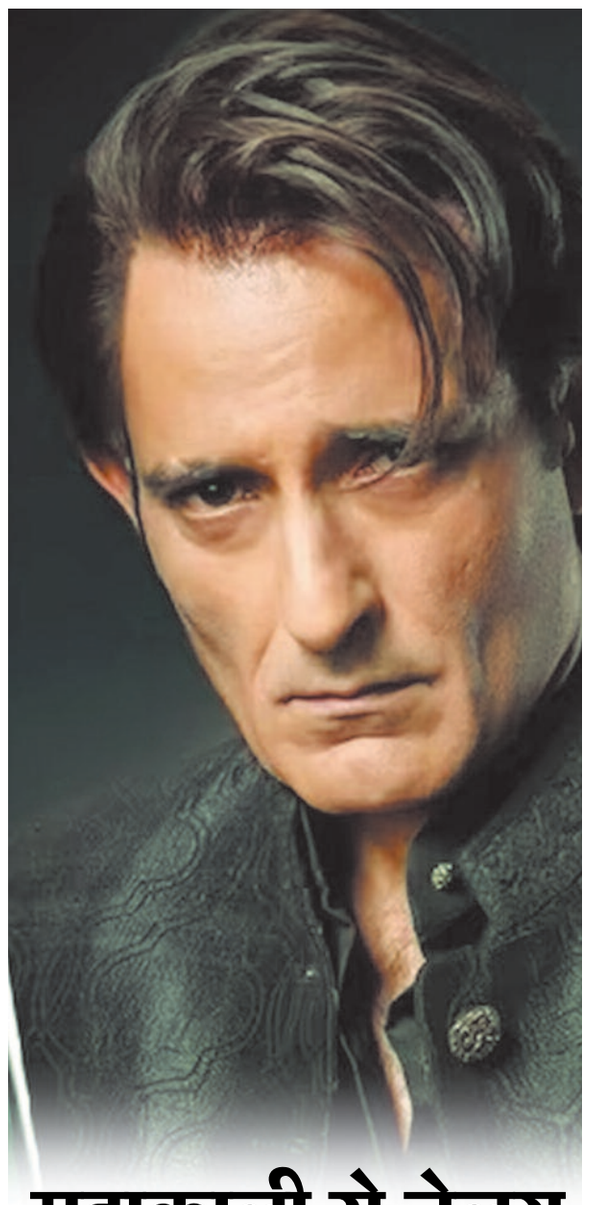

महाकाली से तेलुगु डेब्यू करेंगे अक्षय खन्ना

निभाएंगे शुक्राचार्य का रोल

अक्षय खन्ना इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उनकी फिल्म 'धुरंधर' में रहमान दकैत का किरदार लोगों को बहुत पसंद आया है। अब उनकी अगली फिल्म 'महाकाली' को लेकर भी फैंस में काफी उत्साह है।

'धुरंधर' में रहमान डकैत के किरदार से अक्षय खन्ना ने सभी का दिल जीत लिया। 'धुरंधर' के बाद अब वह साउथ फिल्म 'महाकाली' में नजर आएंगे । अक्षय खन्ना के जन्मदिन के मौके पर फिल्म निर्माता प्रशांत वर्मा ने 'महाकाली' फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य के रूप में नजर आ रहे हैं। प्रशांत वर्मा ने अक्षय को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो अक्षय खन्ना सर। आप एक सच्चे अभिनेता हैं। आपने साबित कर दिया कि असली प्रतिभा को शोर-शराबे की जरूरत नहीं होती। आपकी सहज उपस्थिति और दमदार अभिनय हमेशा अलग दिखता है। आपके साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। जल्द ही हम दर्शकों को बताएंगे कि हमने साथ मिलकर क्या बनाया है।'

कब रिलीज होगी 'महाकाली'

अक्षय खन्ना फिल्म 'महाकाली' में हिंदू पौराणिक कथा के प्रसिद्ध असुर गुरु शुक्राचार्य का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें पहले 2024 में 'हनुमान' फिल्म आई थी। आगे 'जय हनुमान' और 'अधिरा' जैसी फिल्में भी आने वाली हैं। यह अक्षय खन्ना की तेलुगु सिनेमा में पहली फिल्म है। फिल्म में मुख्य भूमिका (महिला सुपरहीरो) भूमि शेट्टी निभा रही हैं। 'महाकाली' 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'इक्का' में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा की फिल्म 'इक्का' में भी नजर आने वाले हैं। इसमें अक्षय मुख्य खलनायक की भूमिका करेंगे। फिल्म में सनी देओल, दीया मिर्जा, तिलोतमा सोम और संजीदा शेख भी हैं। यह फिल्म सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है

शिल्पा शिंदे की बेबाकी हम 'बिग बॉस' में देख चुके हैं। उनके लिए निर्णय लेना सिर्फ अधिकार नहीं, अपनी जगह, पहचान और गरिमा बनाने की प्रक्रिया है। वह मानती हैं कि हर 'न' लड़ाई नहीं होती और हर 'हां' झुकना नहीं। रिश्तों, काम और व्यक्तिगत स्पेस के बीच उन्होंने बार-बार साबित किया है कि असली ताकत टकराव में नहीं बल्कि सही समय पर सही बात कहने की ईमानदार हिम्मत में है। शिल्पा बताती हैं कि समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है।

अपने मुद्दों को सही से भी रखें

शिल्पा शिंदे ने कहा, 'मुझे लगता है कि डिसीजन मेकिंग स्पेस में अपनी खुद की जगह होना बहुत जरूरी है। अब भी बहुत सारे ऐसे घर हैं, जहां लोग बहुत पढ़े-लिखे हैं लेकिन फैसले लेने में महिलाओं को वह स्पेस नहीं दे पाते हैं। तुम चुप रहो, तुम्हें नहीं पता, या यह तुम्हारा काम नहीं है, बहुत सारी महिलाएं ये सब बर्दाश्त करती हैं। मैं यह नहीं कहूंगी कि हर बात पर बगावत करो लेकिन अपने मुद्दे को अच्छे तरीके से भी रखा जा सकता है। दरअसल, बहुत सी महिलाएं फिर बिल्कुल गलत तरीके से बगावत पर उतर आती हैं कि मेरा तो इस घर में जमता नहीं है, मेरा तो इस घर में कुछ हो ही नहीं सकता या मेरी तो कोई सुनता नहीं है। आप अपने मुद्दे को बहुत प्यार से भी रख सकते हो, थोड़ा अलग तरीके से भी रख सकते हो तो यह कोशिश करनी बहुत जरूरी है।'

स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव नहीं

रिश्तों और समाज की ज्यादातर उलझनें लोगों की सोच और व्यवहार के फर्क से पैदा होती हैं। आज कहा जाता है कि महिलाएं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हैं इसलिए शादियां नहीं चल रहीं, जबकि स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव करना नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और फैसलों को समझदारी से निभाना है। समाज चाहे जितना आगे बढ़ जाए, मां बनने के बाद महिला की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं और वहीं पति-पत्नी दोनों को मिलकर चलने की जरूरत होती है। यह साझेदारी जब नहीं बन पाती तो रिश्ते में असंतुलन आ जाता है। अंत में किसी भी रिश्ते का सार यही है संतुलन, समझ और समय पर शांत रहना।

रिश्तों में क्लैरिटी होना बहुत ज़रूरी

देखिए, मेरी नजर में महिलाओं की जिंदगी काफी बदल चुकी है। उन्होंने हर जगह, खासकर डिसीजन मेकिंग में अपने आप को प्रूव किया है। हालांकि, समस्या यह है कि हमारा समाज अब भी कुछ पुरानी धारणाओं पर अटका हुआ है। जैसे हम मेल ईगो बोलते हैं, लेकिन फीमेल ईगो शब्द सुनाई नहीं देता। यानी मान लिया गया है कि ईगो हमेशा पुरुष का ही होता है। अब यहां समझदारी की जरूरत है। अगर एक महिला समझ ले कि सामने वाले में मेल ईगो है तो उसे यह भी समझना होगा कि उसे उस स्थिति में कैसे रिएक्ट करना है। रिश्तों में क्लैरिटी बहुत जरूरी है। जब आप किसी से प्यार करते हैं या किसी परिवार का हिस्सा बनते हैं तो पहले से यह जानना जरूरी है कि सामने वाला कैसा है और कौन-सी बात उसे कहां तक स्वीकार है। हम सबके पास चॉइस हैं। अगर सामने वाला आपको नहीं समझ रहा तो आप समझिए, बातचीत कीजिए और चीजों को बेहतर करने की कोशिश कीजिए।

सामने वाले को समझिए

शिल्पा ने कहा, मेरी जिंदगी एक ऐसे लेवल पर पहुंच गई थी, जहां मुझे उसी वक्त उसी तरीके से फैसला लेना पड़ा। मैंने शो छोड़ा या कहें कि मैं शो से आउट थी लेकिन उस पल जो निर्णय था, वह बिल्कुल साफ था। मुझे पता है कि मैं सिर्फ इसी एक चीज के लिए पैदा नहीं हुई हूं इसलिए मैंने उस वक्त वो रास्ता नहीं चुना। आज जब मैं वापस हूं और पहले से ज्यादा सम्मान मिल रहा है तो इसका सबसे बड़ा कारण वही है, आप सामने वाले को समझिए कि उसे क्या चाहिए। मैं उस वक्त भी प्रोड्यूसर का पॉइंट समझ रही थी लेकिन बीच में किसी तीसरे ने आग लगाई थी। उन्होंने मेरे साथ चीजें डिस्कस ही नहीं कीं। अब हालात अलग हैं। आज मुझे पता है कि उन्हें कैसे संभालना है। उन्हें भी पता है कि मुझे कैसे ट्रीट करना है।

गलत नहीं हैं तो झुकना नहीं चाहिए

मुझे नहीं लगता कि मैंने कोई गलती की थी। हां, कुछ लोग बहुत डिप्लोमैटिक होते हैं लेकिन मैं जिस चीज को कर सकती हूं, उसे मैं गलती नहीं मानती। परिस्थितियां जैसी बनीं, वहीं रहकर उन्हें समझना जरूरी था। इसका मतलब यह नहीं कि आप झुककर रहें। अगर आप गलत नहीं हैं तो आपको झुकना नहीं चाहिए। गलत चीज को इतना बड़ा भी न बनाइए कि हर समय 'मेरे साथ गलत हुआ' ही लगता रहे। आप जब सच में गलत नहीं हैं, तब डरने की कोई वजह नहीं होती। मैं आज भी यहां इसलिए हूं क्योंकि मैंने कुछ गलत नहीं किया था।

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड- इस्राइल समर्थक यहूदी केंद्र के पास धमाका

येरूशलम, एजेंसी। नीदरलैंड पुलिस इस्राइल समर्थक एक ईसाई केंद्र के बाहर हुए छोटे विस्फोट की जांच कर रही है। मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। गेलडरलैंड प्रांत की पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि शुक्रवार रात हुए विस्फोट में कोई घायल नहीं हुआ। मध्य नीदरलैंड के निजकेर्क स्थित एक इमारत में मामूली क्षति हुई। क्रिश्चियंस फॉर इस्राइल समूह ने कहा कि विस्फोट निजकेर्क स्थित उनके इस्राइल केंद्र को निशाना बनाकर किया गया था।

हॉलीवुड की अभिनेत्री डी फ्रीमैन का 66 वर्ष की आयु में निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। द यंग एंड द रेस्टलेस और सिस्टास जैसे प्रसिद्ध शो के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री डोलोरेस डी फ्रीमैन का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने पुष्टि की कि फेफड़ों के कैंसर से जूझने के बाद 2 अप्रैल को उन्होंने अंतिम सांस ली। लुइसियाना में जन्मी फ्रीमैन का कॅरिअर काफी विविधतापूर्ण रहा। उन्होंने छह साल तक अमेरिकी मरीन कॉर्प्स में सेवा दी और जापान में रेडियो डीजे के रूप में भी काम किया।

लंदन- यहूदी समुदाय की एंबुलेंस पर हमले के मामले में तीन गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश अभियोजकों ने उत्तरी लंदन में यहूदी समुदाय की एंबुलेंस पर हुए आगजनी के हमले में तीन युवकों को आरोपी बनाया है। यह घटना 23 मार्च को एक सिनेगॉग के पास हुई थी, जिसे प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने स्तब्ध करने वाला यहूदी विरोधी हमला बताया था। आरोपियों की उम्र 17, 19 और 20 वर्ष है, जिनमें दो ब्रिटिश और एक ब्रिटिश-पाकिस्तानी नागरिक है। हमले की जांच आतंकवाद रोधी टीम के अधिकारियों द्वारा की जा रही है, हालांकि अभी इसे आतंकवादी घटना नहीं माना गया है।

ट्रंप का 63 साल से बंद अल्काट्राज जेल फिर से खोलने का प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कुख्यात अल्काट्राज जेल को फिर से खोलने का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए उन्होंने 15.2 करोड़ डॉलर की मांग की है। इसमें अमेरिका के सबसे क्रूर व हिंसक अपराधी रखे जाएंगे। फॉक्स न्यूज के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के वित्त वर्ष 2027 के बजट प्रस्ताव में उल्लिखित इस प्रस्ताव का उद्देश्य ऐतिहासिक व लंबे समय से बंद पड़ी इस जेल को अत्याधुनिक सुरक्षित जेल सुविधा में बदलने के प्रारंभिक चरण को वित्तीय सहायता प्रदान करना बताया गया है। हालांकि, इस योजना के लिए राशि जारी करने के मुद्दे पर संसद को फैसला लेना है।

ढाका के पास गैस लाइटर फैक्ट्री में आग, 5 की मौत; आग लगने की वजह साफ नहीं

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पास स्थित केरानिगंज के कदमतली इलाके में शनिवार दोपहर गैस लाइटर बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के मुताबिक, आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने के लिए दमकल की 7 यूनिट तैनात की गईं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। शाम तक राहत और बचाव दल ने मलबे से 5 शव बरामद किए। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है और मामले की जांच जारी है।

अमेरिकी पायलट को ईरान से सुरक्षित बचाया गया, ट्रंप ने की पुष्टि

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान द्वारा अमेरिकी एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल जेट को गिराए जाने के बाद लापता अमेरिकी सेवा सदस्य को सुरक्षित बचा लिया गया है। यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों ने रविवार को दी। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह ऑपरेशन एक भयंकर खोज और बचाव अभियान के तहत सफल हुआ। इससे पहले जेट के एक अन्य चालक दल के सदस्य को पहले ही सुरक्षित बचाया जा चुका था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा 'हमने उन्हें सुरक्षित निकाल लिया! पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने इतिहास के सबसे साहसी खोज और बचाव अभियानों में से एक सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हमारे अद्भुत क्रू मेम्बर अधिकारी, जो एक सम्मानित कर्नल हैं, अब पूरी तरह सुरक्षित हैं।' ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी सेना ने अधिकारी के स्थान को 24 घंटे निगरानी में रखा और उनकी सुरक्षित वापसी की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने उन्हें बचाने के लिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली हथियारों से लैस दर्जनों विमान भेजे। ट्रंप ने कहा अधिकारी घायल हुए हैं, लेकिन वे पूरी तरह ठीक हो जाएंगे।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ की गीदड़भभकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को भारत को गीदड़भभकी देते हुए कहाकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुस्साहस की कोशिश का जवाब कोलकाता में हमले से दिया जाएगा। आसिफ ने लाहौर से लगभग 130 किलोमीटर दूर अपने गृहनगर सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए कहाकि अगर भारत इस बार हमें जिम्मेदार ठहरा कर कोई (सैन्य) ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो हम कोलकाता तक निशाना साधेंगे।

किस बात का किया दावा

आसिफ ने दावा किया कि ऐसी खबरें हैं कि उनके (भारत) अपने लोगों या पाकिस्तानियों के माध्यम से एक झूठ भरे अभियान की योजना बनाई गई, जिसमें कुछ शवों को कहीं डाल कर यह कहा गया कि वे आतंकवादी थे और उन्होंने ऐसा-ऐसा किया है। हालांकि, उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। गुरुवार को आसिफ ने कहा था कि किसी भी हमले पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया त्वरित, सुनियोजित और निर्णायक होगी।

राजनाथ सिंह का दे रहे थे जवाब

आसिफ भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणियों का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने पहले कहा था कि मौजूदा स्थिति में भारत के पड़ोसी देश की ओर से कोई भी दुस्साहस अभूतपूर्व और निर्णायक कार्रवाई को आमंत्रित करेगा। पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच चार दिनों तक संघर्ष चला था।

क्या बोले थे राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहाकि मौजूदा हालात में पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की दुस्साहसिक हरकत का जवाब अभूतपूर्व और निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा।

चुनावी राज्य केरल में सैनिक सम्मान सम्मेलन में सिंह ने कहाकि अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद, भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहाकि पहलगाम हमले के बाद, भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को 22 मिनट के भीतर घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और यह आतंकवाद के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान था।

सिंह ने कहाकि मैं आपको बताना चाहता हूं कि अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान ने दोबारा ऐसी घिनौनी हरकतें कीं, तो हमारी सेना उन्हें ऐसा मुंहतोड़ जवाब देगी, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। इस बार जो होगा वह अभूतपूर्व होगा। सिंह ने कहा कि मौजूदा हालात में हमारा पड़ोसी (पाकिस्तान) कोई भी दुस्साहस कर सकता है।

उन्होंने कहाकि अगर वह ऐसा करता है, तो जैसा मैंने आपको बताया, भारत की कार्रवाई अभूतपूर्व और निर्णायक होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई है और सरकार के रवैये और कार्यप्रणाली में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि यह बात 'ऑपरेशन सिंदूर' से स्पष्ट है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने यह अभियान चलाया था।

चांद के करीब पहुंचा आर्टेमिस 2, अपोलो 13 का तोड़ेगा रिकॉर्ड

ह्यूस्टन, एजेंसी। चांद की ओर बढ़ रहा आर्टेमिस -2 मिशन अब इतिहास रचने के करीब पहुंच गया है। यह मिशन 53 साल बाद इंसानों को फिर से चांद के पास ले जा रहा है और इससे उम्मीदें काफी बड़ी हैं। इस मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं, जो सोमवार तक चांद के पास पहुंच जाएंगे। वे चांद के उस हिस्से की तस्वीरें लेंगे, जिसे पृथ्वी से नहीं देखा जा सकता। यह मिशन नासा के पुराने अपोलो प्रोग्राम के बाद अगला बड़ा कदम माना जा रहा है। अंतरिक्ष यात्री विक्टर ग्लोवर ने बताया कि जैसे-जैसे वे आगे बढ़ रहे हैं, पृथ्वी छोटी दिख रही है और चांद बड़ा होता जा रहा है। यह अनुभव उनके लिए बेहद खास है।

मिशन के दौरान अंतरिक्ष यान में आई एक परेशानी : हालांकि मिशन के दौरान एक छोटी परेशानी भी सामने आई है। अंतरिक्ष यान ओरियन का टॉयलेट ठीक से काम नहीं कर रहा है। लॉन्च के बाद से इसमें बार-बार दिक्कत आ रही है। इंजीनियरों को शक है कि पाइप में बर्फ जमने से समस्या हो रही है। फिलहाल अंतरिक्ष यात्रियों को बैकअप तरीके इस्तेमाल करने पड़ रहे हैं। नासा के अधिकारियों का कहना है कि अंतरिक्ष में टॉयलेट सिस्टम संभालना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन टीम इस स्थिति को अच्छे से संभाल रही है।

अपोलो 13 मिशन के रिकॉर्ड को तोड़ने की तैयारी : यह मिशन एक नया रिकॉर्ड भी बनाने जा रहा है। आर्टेमिस ढ्ढ करीब 4 लाख किलोमीटर दूर तक जाएगा, जो अब तक इंसानों द्वारा तय की गई सबसे ज्यादा दूरी होगी। इससे पहले यह रिकॉर्ड अपोलो 13 मिशन के नाम था। इस मिशन की एक खास बात यह भी है कि इसमें कनाडा के जेरेमी हैनसेन शामिल हैं, जो चांद की ओर जाने वाले पहले गैर-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। वहीं क्रिस्टीना कोच पहली महिला और विक्टर ग्लोवर पहले अश्वेत (ब्लैक) अंतरिक्ष यात्री हैं, जो इस मिशन का हिस्सा हैं।

प्रशांत महासागर में लैंड करने आर्टेमिस -2 मिशन : करीब 10 दिन के इस मिशन के बाद 10 अप्रैल को अंतरिक्ष यान प्रशांत महासागर में उतरकर पृथ्वी पर लौटेगा। नासा का यह मिशन भविष्य में चांद पर स्थायी बेस बनाने की दिशा में पहला बड़ा कदम है। एजेंसी का लक्ष्य है कि 2028 तक चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास इंसानों की लैंडिंग कराई जाए।

यमन से इसराइल पर मिसाइल हमला : हूती विद्रोहियों ने ली जिम्मेदारी

आईडीएफ ने हवा में ही मार गिराया

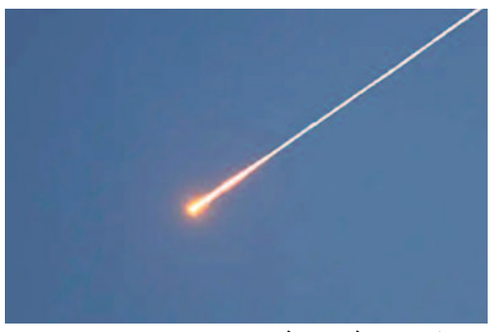

यरूशलेम/सना, एजेंसी। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने एक बार फिर इसराइल को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया है। इस हमले के बाद क्षेत्र में तनाव और गहरा गया है। इसराइल डिफेंस फोर्सेज (ढ्ढष्ठस्न) ने बयान जारी कर बताया कि उनके उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम ने यमन की ओर से आती हुई मिसाइल को सीमा पार करने से पहले ही इंटरसेप्ट कर लिया। मिसाइल दागे जाने के तुरंत बाद इसराइल के कई हिस्सों में अलर्ट जारी कर दिया गया था और नागरिकों को सुरक्षा के लिए शेल्टर में जाने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, स्थिति स्पष्ट होने और खतरा टलने के कुछ ही मिनटों बाद सेना ने सुरक्षा प्रतिबंध हटा लिए।

हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ने इस हमले की पुष्टि करते हुए इसे इसराइल के खिलाफ उनके चल रहे सैन्य अभियान का हिस्सा बताया। गौरतलब है कि पिछले एक हफ्ते में हूतियों की ओर से किया गया यह इस तरह का दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले 28 मार्च को भी हूतियों ने वेस्ट बैंक के हेब्रोन शहर के ऊपर से मिसाइलें दागी थीं, जिनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यमन से होने वाले ये लगातार हमले ईरान, अमेरिका और इसराइल के बीच बढ़ते क्षेत्रीय संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। हूतियों ने चेतावनी दी है कि जब तक गाजा में सैन्य कार्रवाई नहीं रुकती, उनके हमले जारी रहेंगे।

मारे गए ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की भतीजी पर गिरी गाज, अमेरिका में बेटी संग हिरासत में

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कुद्स बल का नेतृत्व करने वाले जनरल कासिम सुलेमानी की एक रिश्तेदार एवं उसकी बेटी अमेरिका के आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन की हिरासत में हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। हमीदा सुलेमानी अफशार और उनकी बेटी के ग्रीन कार्ड की अवधि अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा समाप्त किए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक हमीदा सुलेमानी की भतीजी हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, ''मीडिया की खबरों और सोशल मीडिया पर उनकी अपनी टिप्पणियों से यह सामने आया है कि सुलेमानी अफशार ईरान के तानाशाही, आतंकवादी शासन की मुखर समर्थक हैं।' अफशार के पति के भी अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध है। बता दें कि बगदाद एयरपोर्ट के पास 2020 में हुए अमेरिकी हमले में जनरल कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी।

ईरानियों का वीजा रद्द कर रहा अमेरिका : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने ईरान की मौजूदा या पूर्ववर्ती सरकार से जुड़े कम से कम चार ईरानी नागरिकों के ग्रीन कार्ड या अमेरिकी वीजा रद्द कर दिए हैं। इनमें दो लोगों को आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में लिया है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हाल में फातिमा अर्देशीर-लारिजानी का वीजा भी रद्द कर दिया था, जो ईरान के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अली लारिजानी की बेटी हैं। अली लारिजानी पिछले महीने अमेरिका-इजराइल के हवाई हमले में मारे गए थे। फातिमा के पति सैयद कलंतर मोतामेदी का वीजा भी रद्द कर दिया गया है। दोनों अब अमेरिका में नहीं हैं।

खत्म होने वाला है ईरान युद्ध-डोनाल्ड ट्रंप : युद्ध के चलते परेशान अमेरिकी जनता को संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में मची उथल-पुथल से अमेरिका काफी हद तक सुरक्षित है। उन्होंने सैन्य कार्रवाई तेज करने की चेतावनी देते हुए घोषणा की कि ईरान युद्ध 'पूरा होने के करीब' है। ट्रंप ने अमेरिकियों से कहा कि युद्ध 'खत्म होने वाला है' और इसमें केवल 'दो या तीन सप्ताह' और लगने का अनुमान है। हालांकि उन्होंने सैन्य अभियान को और तेज करने के संकेत देते हुए चेतावनी दी कि ईरान को 'पाषाण युग में वापस' भेजा जा सकता है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका के लिए हॉर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक महत्व को कमतर बताने की कोशिश की, जबकि इस महत्वपूर्ण समुद्री गलियारे की वजह से दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है।

ईरानी कमांडर ने बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने पर

अमेरिका-इज़रायल को विनाशकारी कार्रवाई की धमकी दी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के एक शीर्ष कमांडर ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका या इज़रायल ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला करते हैं, तो उसके जवाब में पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इज़रायली बुनियादी ढांचे पर 'विनाशकारी और लगातार' हमले किए जाएंगे। ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल मुख्यालय के प्रमुख कमांडर अली अब्दोल्लाही ने यह चेतावनी जारी की। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान से होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दी गई 10 दिन की समय-सीमा सोमवार को समाप्त होने वाली है। अब्दोल्लाही ने कहा, 'लगातार हार स्वीकार करने के बाद अमेरिका के आक्रामक और युद्धोन्मादी राष्ट्रपति ने एक हताश, घबराया हुआ, असंतुलित और मूर्खतापूर्ण कदम उठाते हुए ईरान के बुनियादी ढांचे व राष्ट्रीय संपत्तियों को निशाना बनाने की धमकी दी है।'

उन्होंने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल देश के अधिकारों की रक्षा करने और राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 'एक पल भी' हिचकिचाएंगे नहीं और 'हमलावरों को उनकी जगह दिखा देंगे।' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'याद रखें जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दस दिन दिए थे,' और जोड़ा, 'समय खत्म हो रहा है और 48 घंटे बचे हैं, उसके बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा।'

21 मार्च को ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान ने 48 घंटे के भीतर होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोला, तो वह उसके बिजली संयंत्रों को 'नष्ट और तबाह' कर देंगे। हालांकि, दो दिन बाद तेहरान के साथ 'सकारात्मक बातचीत' के बाद उन्होंने हमलों को पांच दिनों के लिए टाल दिया। बाद में उन्होंने समय-सीमा फिर बढ़ा दी।

इस बीच, ईरान की आईआरजीसी नौसेना ने कहा कि उसने ड्रोन से एक इज़रायल से जुड़े जहाज को निशाना बनाया, जिससे उसमें आग लग गई। अपने आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सेपाह न्यूज़' में जारी बयान में आईआरजीसी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके बलों ने बहरीन के एक बंदरगाह में एक इज़रायली स्वामित्व वाले वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाया।

होर्मुज स्ट्रेट संकट : अमेरिका से अलग होकर दुनिया के देश खुद कर रहे हैं समाधान की कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के कई बड़े देश होर्मुज स्ट्रेट में पैदा हुए संकट को संभालने के लिए अब अमेरिका के बिना ही आगे बढ़ रहे हैं। ईरान युद्ध और उसके असर को लेकर अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच मतभेद लगातार बढ़ रहे हैं। खाड़ी क्षेत्र से तेल और गैस पर निर्भर देश इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते को फिर से खोलने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं। वहीं, इस पूरे मामले में अमेरिका के रवैये को लेकर भी कई देशों में नाराजगी बढ़ रही है। इसी हफ्ते ब्रिटेन ने 40 से अधिक देशों की बैठक बुलाई, जिसमें इस जलमार्ग से फिर से जहाजों की आवाजाही शुरू कराने पर चर्चा हुई। इस दौरान वैश्विक व्यापार में रुकावट के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया गया।

हालांकि, इस बैठक में पश्चिमी देशों के बीच मतभेद भी साफ नजर आए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका के सैन्य कार्रवाई के प्रस्ताव को खुलकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका खुद फैसला लेकर कार्रवाई करे और फिर दूसरों से समर्थन की उम्मीद रखे, यह सही नहीं है। यह हमारा अभियान नहीं है। यूरोपीय देश इस संकट को सुलझाने के लिए सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत और आर्थिक दबाव को बेहतर तरीका मानते हैं। अधिकारियों और विशेषज्ञों का हवाला देते हुए 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने बताया कि स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए सैन्य विकल्पों को अवास्तविक और जोखिम भरा माना जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में बहरीन ने इस क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है, हालांकि 'द हिल' की रिपोर्ट के अनुसार, उसे चीन के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

यह पूरा घटनाक्रम अमेरिका और यूरोप के रिश्तों में बढ़ती दूरी को भी दिखाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान युद्ध ने अमेरिका और यूरोप के संबंधों को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां दरार साफ दिखाई दे रही है। अमेरिका इस बात से नाराज है कि उसके सहयोगी देश इस युद्ध में उसका साथ नहीं दे रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यूरोपीय देशों से नाराज बताए जा रहे हैं और उन्होंने नाटो के भविष्य पर भी सवाल उठाए हैं, जिससे इस गठबंधन को लेकर चिंता बढ़ गई है।

इस बीच, ट्रंप के बयान भी साफ नहीं हैं। उन्होंने एक ओर कहा कि जो देश खाड़ी क्षेत्र के तेल पर निर्भर हैं, उन्हें खुद आगे आकर इस रास्ते को खोलना चाहिए और अमेरिका मदद करेगा। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका खुद इस रास्ते को खोल सकता है और इससे तेल व्यापार में फायदा उठा सकता है। इससे उनकी नीति में असमंजस दिखाई देता है।

जमीनी स्थिति की बात करें तो 'द हिल' की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने इस जलमार्ग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कुछ मित्र देशों को ही सीमित रूप से गुजरने दिया जा रहा है और जहाजों से शुल्क लेने का प्रस्ताव भी सामने आया है। इस संकट के कारण कई देशों ने आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। इसमें शिपिंग कंपनियों के साथ तालमेल और ईरान पर दबाव बनाने के लिए संभावित प्रतिबंधों पर चर्चा शामिल है।

पाकिस्तान में गाय-भैंस पालने पर गोबर टैक्स लगाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब राज्य में गाय और भैंस पालने पर अब 'टैक्स' लगाने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तानी अखबार डेली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज की सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाकिस्तानी रुपए फीस देने का नियम बना सकती है।

सरकार इस कदम को ग्रीन एनर्जी के रूप में पेश कर रही है। यह योजना 'सुथरा पंजाब' बायोगैस प्रोग्राम का हिस्सा बताई जा रही है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था। इसका मकसद कचरे को साफ करना और उससे बायोगैस बनाकर ऊर्जा तैयार करना है।

वहीं विपक्षी दलों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना कर इसे 'गोबर टैक्स' का नाम दिया है। उनका कहना है कि यह कदम दिखाता है कि सरकार आर्थिक दबाव में है और अब नए-नए तरीकों से पैसा जुटाने की कोशिश कर रही है।

विपक्ष ने दावा किया कि 'ग्रीन एनर्जी' का नाम बस दिखावा है। असली कहानी कुछ और है। सरकार का फैसला पहले से महंगाई और महंगे चारे से जूझ रहे किसानों से जबरन पैसा निकालने का तरीका है।

गोबर इकट्ठा कर पर्यावरण बचाने का दावा : सरकार ने इस फीस को लागू करने के लिए राज्य की करीब 168 कैटल कॉलोनियों को चिन्हित किया है। इन कॉलोनियों की लगभग 50 लाख गाय-भैंसों पर यह फीस लग सकती है। इस नई योजना के तहत पशुपालकों से हर पशु के हिसाब से रोजाना शुल्क लिया जाएगा। पहले चरण में लाहौर की दो प्रमुख डेयरी कॉलोनियों हरबंसपुरा और गुज्जरपुरा से शुरू होगा। बाद में पूरे पंजाब में फैलाया जाएगा।

सरकार का कहना है कि इस पैसे का इस्तेमाल गोबर इकट्ठा करने, कचरा मैनेजमेंट और बायोगैस प्लांट चलाने में किया जाएगा, ताकि पर्यावरण को भी फायदा हो। इतनी ज्यादा गाय-भैंसों का रोजाना कितना गोबर निकल रहा है, इसे ठीक-ठीक नापना लगभग नामुमकिन है। इसी वजह से सरकार ने प्रति पशु तय दर से फीस वसूली का मॉडल अपनाने का फैसला किया है। चाहे गाय या भैंस ज्यादा गोबर दे या कम मालिक को हर पशु के हिसाब से रोज एक तय फीस देनी होगी।

विपक्ष बोला- सरकार के पास असली कमाई का रास्ता खत्म : विपक्ष का कहना है कि यह शासन का सही मॉडल नहीं है।

यह इस बात का साफ इशारा है कि पाकिस्तान के सबसे बड़े राज्य के पास अब कमाई के असली रास्ते ही खत्म हो गए हैं। वहीं, किसानों और पशुपालकों की चिंता अलग है। उनका कहना है कि वे पहले से ही महंगे चारे, बढ़ती बिजली कीमतों और महंगाई से जूझ रहे हैं। ऐसे में यह नया टैक्स उनके खर्च को और बढ़ा देगा।

एक पाकिस्तानी इंडस्ट्री एक्सपर्ट ने कहा, 'एक तरफ भ्रष्ट नेता और अफसर लग्जरी गाड़ियां, विदेश यात्राएं और मोटी सैलरी का मजा ले रहे हैं। दूसरी तरफ किसान, जो पहले ही अपने पशुओं का पेट भरने के लिए जूझ रहा है, अब उससे कहा जा रहा है कि अपनी भैंस के गोबर के लिए भी सरकार को पैसा दो। इससे साफ है कि सिस्टम पूरी तरह गड़बड़ है।'

एक नजर

ढुंगमंदार क्षेत्र में खुले राष्ट्रीकृत बैंक शाखा

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक के ढुंगमंदार क्षेत्र में राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा खोलने, प्राथामिक स्वास्थ्य केंद्र सेमंडीधार का उच्चीकरण सहित 20 सूत्री मांगों को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिला पंचायत सदस्य मंदार विजयपाल रावत के नेतृत्व में सैण, सेम, मंदार, स्यूरी, सेम्मा, कुमार गांव, ढुंग, बडोनगांव, चौंदाणा के ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधियों ने डीएम को सौंपे ज्ञापन में ऋषिकेश से मंदार गांव तक परिवहन निगम की बस सेवा शुरू करने, सेमंडीधार खेल मैदान को मिनी स्टेडियम रूप में विकसित करने, कोपड़धार–चौदाणा के लिए सड़क निर्माण करने की मांग की। घोंटी क्षेत्र में पैतृक घाट के साथ सड़क का निर्माण करने तथा कस्तल–सिला–भटवाड़ा स्वीकृत सड़क का निर्माण करने को कहा। छात्रों की सुविधा हेतु जीआईसी चंद्रेश्वर सैण के लिए करीब डेढ़ किमी सड़क निर्माण करने, सैण–मंदार सड़क की क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार का पुर्न निर्माण करने, पीढ़ी, खैट पर्वत, चंद्रश्वेर महादेव, क्षेत्रपाल महादेव मंदिर पर्यटन सर्किट से जोड़ने, पैदल ट्रैक रुट पर यात्रियों के लिए व्यू प्वाइंट और विश्राम गृह का निर्माण के साथ पेयजल की व्यवस्था की मांग की गई।कहा कि ढुंगमंदार क्षेत्र में राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा न होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को करीब 34 किलोमीटर दूर घनसाली जाना पड़ता है। सेमंडीधार में ए टाइप की पीएचसी का उच्चीकरण कर वहां पर पर्याप्त चिकित्सक, स्टाफ के साथ आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने को कहा। उपरोक्त मांगों पर समय रहते सकारात्मक कार्यवाही न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

सड़क मंजूर नहीं होने पर फूटा गुस्सा, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

नई टिहरी। सड़क निर्माण की मांग को लेकर नगुन पट्टी के बिकोल के ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। उनियाल गांव से बिकोल के लिए पांच किमी सड़क की स्वीकृति नहीं मिलने से आक्रोशित ग्रामीणों ने नगुन–अलमस– भवान मोटर मार्ग पर दो घंटे तक चक्काजाम किया। इस दौरान उन्होंने शासन–प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। नायब तहसीलदार सुरेश चंद्र भट्ट ने आंदोलनरत लोगों को दो सप्ताह के भीतर मामले में उच्च अधिकारियों से वार्ता करवाने का आश्वासन दिया। तब जाकर जाम खुल पाया। सड़क निर्माण की एक सूत्री मांग को लेकर बिकोल गांव के लोग नारेबाजी करते हुए नगुन–अलमस– भवान मार्ग पर पहुंचे। सड़क निर्माण की मांग को लेकर वे पूर्वाह्न 11 बजे सड़क पर धरने पर बैठे गए। इस दौरान दोनों तरफ से वाहनों का आवागमन बाधित हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क सुविधा के अभाव में उन्हें अपने गांव पहुंचने के लिए पैदल दूरी तय करनी पड़ती है। 2017 से वे उनियाल गांव से बिकोल तक पांच किमी सड़क निर्माण की मांग करते आ रहे हैं। कई बार विधायक और डीएम को ज्ञापन दिया लेकिन सड़क निर्माण की स्वीकृति नहीं मिल पा रही है।

टिहरी विधायक को इंजीनियर संघ ने सौंपा मांगपत्र

नई टिहरी। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ कनिष्ठ अभियंताओं की वेतन विसंगति दूर करने, पदोन्नति सहित 27 सूत्री मांगों को लेकर 15वें दिन भी धरना–प्रदर्शन जारी रहा। धरना स्थल पर पहुंचे विधायक किशोर उपाध्याय को आंदोलनरत इंजीनियरों ने मांग पत्र सौंपा। लोनिवि के निरीक्षण भवन में राजवीर सिंह राणा की अध्यक्षता में धरने पर बैठे डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने शासन–प्रशासन पर मांगों की अनदेखी का आरोप लगाया। रोहित सिंह पंवार ने कहा कि इंजीनियर्स की न्यायोचित मांगें लंबे से लंबित हैं। मांगों पर सुनवाई न होने के कारण आवश्यक सेवाओं से जुड़े इंजीनियर को भी आंदोलन में उतरना पड़ा। इसके बाद भी सुनवाई नहीं होती है तो तीसरे चरण में अधिशासी अभियंता भी हड़ताल में शामिल होंगे।

कपाट खुलने से पूर्व यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करें : डीएम

चारधाम तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चारधाम यात्रा-2026 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सोमवार को सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं स्टेकहोल्डर्स के साथ व्यापक समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि कपाट खुलने से पूर्व यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण कर ली जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा का अनुभव मिल सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि लगातार हो रही बारिश तथा कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में आ रही चुनौतियों को देखते हुए जिला प्रशासन राज्य सरकार के साथ निरंतर समन्वय बनाकर कार्य कर रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कपाट खुलने से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएंगी। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं एनएच, बीआरओं, एनएचआईडीसीएल को चारधाम यात्रा मार्गों के सुधारीकरण कार्यों में तेजी लाने, मलबे का समुचित निस्तारण करने तथा वैकल्पिक मार्गों को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यात्रा मार्गों एवं मेडिकल हेल्थ पोस्टों, बिजली, पेयजल, शौचालय सहित सभी मूलभूत सुविधाएं समय से सुचारू कर लेने के निर्देश दिए। डीएम ने पूर्ति विभाग को गैस एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कमर्शियल गैस की आपूर्ति पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी सम्बंधित उपजिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में कमर्शियल सिलेंडर वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी करने की बात कही। साथ ही पूर्ति विभाग को डीजल, पेट्रोल एवं खाद्यान्न की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने निर्देश दिए। उन्होंने नगर निकायों एवं पंचायत क्षेत्रों को साफ-सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने तथा खुले में कूड़ा डालने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करने को कहा। पुलिस विभाग को चारधाम क्षेत्रों में बाहरी व्यक्तियों का शत-प्रतिशत सत्यापन करने एवं बेहतर ट्रैफिक प्लान तैयार करने को कहा गया, ताकि स्थानीय लोगों और यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। डीईओ, पीआरडी को जवानों की स्किल के अनुसार सूची उपलब्ध कराने को कहा गया, ताकि आवश्यकता अनुसार उनकी तैनाती की जा सके। उन्होंने जल संस्थान को प्रमुख स्थानों पर वाटर एटीएम स्थापित करने तथा बद्रीनाथ धाम में सीवर व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पेयजल व्यवस्था को लेकर विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पवार, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, जिला पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा होटल एसोसिएशन, व्यापार संघ, तीर्थ पुरोहित एवं टैक्सी यूनियन के प्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से भी जुड़े रहे।

डिप्लोमा इंजीनियर्स के आंदोलन को कांग्रेस ने दिया धरना

चमोली। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल सोमवार को 15वें दिन भी जारी रही। इस दौरान महासंघ के आंदोलन को कांग्रेस पार्टी ने समर्थन दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेश डिमरी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता लोनिवि निरीक्षण भवन में धरना दे रहे सदस्यों के बीच पहुंचे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेश डिमरी ने कहा कि महासंघ मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहा है जिससे विभाग संबंधी कई कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं लेकिन भाजपा की तानशाही सरकार महासंघ की मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं ले रही है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी भी महासंघ के साथ खड़ी है और बड़ा आंदोलन करेगी।

एडीएम ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने सोमवार को राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की मौजूदगी में ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम व वीवीपैट मशीनें डबल लॉक में सुरक्षित पाई गई। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने वेयर हाउस में विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार चमोली सुश्री दीपशिखा, निर्वाचन विभाग से डीसी सती, कांग्रेस पार्टी के मदन लोहानी, आम आदमी पार्टी के अनूप सिंह एवं निर्वाचन कार्यालय के कार्मिक मौजूद थे।

लोगों की मांग पर पनाई गांव में बनाया स्वीमिंग पूल

चमोली। पालिका क्षेत्र के पनाई गांव के निकट स्वीमिंग पूल बनाया गया है। यह पूल बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नगर क्षेत्र के बच्चों के लिए यह तैराकी, मनोरंजन और शारीरिक व्यायाम का जरिया बन गया है। पनाई गांव के समीप पानी की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए जनता की मांग और वार्ड सभासद गौरव कपूर की पहल पर नगर पालिका ने एक माह पूर्व 8 लाख की लागत से इस स्वीमिंग पूल का निर्माण कराया है। इसके समीप ही नहर से लगा हुआ एक छोटा झरना, आम के पेड़ के नीचे बैठने के लिए चबूतरा और पूरे नगर क्षेत्र की पेंटिंग देखने के लिए लोग सुबह शाम यहां सैर करने पहुंच रहे हैं। पालिकाध्यक्ष संदीप नेगी, देवेंद्र नेगी, वार्ड सभासद व अन्य लोगों ने बताया कि कम गहराई (करीब एक मीटर) के स्वीमिंग पूल में अभिभावक अपनी निगरानी में ही यहां बच्चों को तैराकी करवा रहे हैं।

15 अप्रैल तक श्री केदारनाथ यात्रा की सभी व्यवस्थाएं हर हाल में करें पूर्ण : डीएम

श्री केदारनाथ यात्रा 2026 की तैयारियों की जिलाधिकारी ने की साप्ताहिक समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : आगामी श्री केदारनाथ धाम यात्रा 22 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होने जा रही है, यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन रुद्रप्रयाग द्वारा तैयारियों को युद्ध स्तर पर अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा अब तक की गई प्रगति एवं शेष कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने यात्रा से जुड़ी व्यवस्थाओं सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत, सुरक्षा एवं स्वच्छता की अद्यतन स्थिति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व 15 अप्रैल तक सभी कार्य हर हाल में पूर्ण कर लिए जाएं तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार यात्रा से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक सप्ताह समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि पेयजल, विद्युत, उरेडा, लोक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े कार्यों की निरंतर निगरानी की जा रही है। डीएम ने सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करें। उन्होंने जानकारी दी कि यात्रा मार्ग पर अधिकांश स्थानों पर सोलर लाइटें स्थापित की जा चुकी हैं तथा विद्युत लाइनों की मरम्मत का कार्य तेजी से जारी है। सड़कों पर पैचवर्क का कार्य निरंतर किया जा रहा है, जिससे यात्रा मार्ग को सुचारू एवं सुरक्षित बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त, कई स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी की गई है। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील की कि राष्ट्रीय राजमार्ग एवं यात्रा मार्गों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें, अन्यथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने किया ईवीएम वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा ने सोमवार को अगस्त्यमुनि स्थित बहुउद्देशीय क्रीड़ा भवन परिसर में स्थापित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली तथा मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, रिकॉर्ड के रख-रखाव, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली तथा प्रवेश नियंत्रण व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने एफएलसी हॉल, डबल लॉक सिस्टम सहित वेयरहाउस के विभिन्न ब्लॉकों का भी जायजा लिया और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में तैनात सुरक्षा व्यवस्था, फायर सेफ्टी उपकरणों तथा अन्य सुरक्षा प्रबंधों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली के तारों की आवश्यक मरम्मत सुनिश्चित की जाए, ताकि सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन किया जा सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए वेयरहाउस की सभी व्यवस्थाओं को समय-समय पर जांचते हुए आवश्यक सुधार कार्य तुरंत कराए जाएं। निरीक्षण के दौरान सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विपिन जोशी, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग मीनल गुलाटी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, जिला निर्वाचन कार्यालय रुद्रप्रयाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुरोला में मंत्री बहुगुणा ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

उत्तरकाशी। मंत्री सौरभ बहुगुणा ने भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार किया। तीन दिवसीय जनपद भ्रमण के तहत पहुंचे काबीना मंत्री का कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री बहुगुणा ने किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि, बागवानी और पशुपालन को रोजगार से जोड़ने के लिए कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने राज्य के समग्र विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और बड़े फैसले लिए जाने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पार्टी के संस्थापकों और समर्पित कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया।

ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता कोटीकॉलोनी में आठ से

उत्तरकाशी। इंडो–तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के सहयोग से टिहरी बांध की झील कोटीकॉलोनी में आठ अप्रैल से पांच दिवसीय ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन कर रही है। कयाकिंग, कैनोइंग और रोइंग प्रतियोगिता महिला और पुरुष वर्ग के बीच आयोजित की जाएगी। इसमें देशभर की 19 टीमें प्रतिभाग करेंगी।

महानिरीक्षक (आईजी) आईटीबीपी मनु महाराज ने कोटीकॉलोनी स्थित आईटीबीपी कैंप में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया की आईटीबीपी ने टिहरी बांध की झील में 25वां वाटर स्पोर्ट्स के आयोजन की तैयारी शुरू कर दी है। आठ से 12 अप्रैल तक चलने वाली प्रतियोगिता में वाटर स्पोर्ट्स के 52 इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे। महिला और पुरुष वर्ग के बीच होने वाली प्रतियोगिता में कैनोइंग की 18, कयाकिंग की 18 और रोइंग की 16 रेस कराई जाएगी।

इसमें कैनोइंग और कयाकिंग में दो सौ मीटर, पांच सौ मीटर और एक हजार मीटर की दौड़ आयोजित की जाएगी। रोइंग में पांच सौ मीटर और दो हजार मीटर की दौड़ होगी। आईजी ने कहा कि ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के सहयोग से आयोजित की जा रही ऑल इंडिया स्तर की यह प्रतियोगिता उत्तराखंड में पहली बार आयोजित की जा रही है। इसमें देशभर के विभिन्न राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की टीमें प्रतिभाग करेंगी।

नंदप्रयाग में दरक रही पहाड़ी

चमोली। नंदप्रयाग बाजार से ठीक पहले, चमोली चाड़ा, चमोली बाजार से आगे और बिरही चाड़ा के पास ऑल वेदर रोड परियोजना की अधूरी कटिंग होने से वाहनों का जाम लगता है। इस वर्ष भी इन जगहों पर कोई काम नहीं हुआ है। नंदप्रयाग के पास पर्थाडीप भूस्खलन जोन इस बार भी चारधाम यात्रा में परेशानी का सबब बना रहेगा। हालांकि कार्यदायी संस्था एनएचआईडीसीएल (राष्ट्रीय राजमार्ग एवं ढांचागत विकास) की ओर से करीब 60 मीटर हिस्से में भूस्खलन को रोकने के इंतजाम तो कर दिए गए हैं लेकिन 20 मीटर क्षेत्र में हाईवे की स्थिति बेहद खराब है। यहां ऊपर से पहाड़ी टूटकर आ रही है, तो नीचे अलकनंदा बह रही है। इसके अलावा मैठाणा से पीपलकोटी तक करीब 20 किलोमीटर का सफर आरामदेह बन गया है। नंदप्रयाग बाजार से ठीक पहले, चमोली चाड़ा, चमोली बाजार से आगे और बिरही चाड़ा के पास ऑल वेदर रोड परियोजना की अधूरी कटिंग होने से वाहनों का जाम लगता है। इस वर्ष भी इन जगहों पर कोई काम नहीं हुआ है।

नंदप्रयाग के पास पर्थाडीप भूस्खलन जोन में इन दिनों भूस्खलन वाली पहाड़ी का सुधारीकरण कार्य चल रहा है। अभी भी यहां टनों मलबा जमा है, जो बरसात में परेशानी खड़ी कर सकता है। पहाड़ी पर भूस्खलन के साथ चीड़ के पेड़ भी टूटकर आए हैं। हाईवे के किनारे सुरक्षा दीवार तो लगाई गई है लेकिन पहाड़ी से भूस्खलन होने का खतरा है।

सीईओ ने बदरीनाथ धाम में लिया यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा

चमोली। बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के मुख्य कार्याधिकारी विशाल मिश्रा ने सोमवार को बदरीनाथ धाम पहुंच कर यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंन बदरीनाथ मंदिर सिंहद्वार परिसर, आस्था पथ, तप्तकुंड, बस टर्मिनल और विश्राम गृहों जायजा लिया। उन्होंने ने धाम में मौजूद मंदिर समिति के अधिकारियों को यात्रा शुरू होने से पहले व्यवस्थाओं को चुस्त–दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान वे शीतकाल में बदरीनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों और मंदिर समिति के कर्मचारियों से भी मिले। मुख्य कार्याधिकारी ने कहा कि बदरीनाथ मंदिर के कपाट 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिया जाएगा। उनकी प्राथमिकता तीर्थयात्रियों को सरल एवं सुगम दर्शन उपलब्ध कराना है। इसके लिए यात्रा पूर्व तैयारियों को समय से पूर्ण करने, भीड़ प्रबंधन तथा मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

भाजपा ग्रामीण मंडल का प्रशिक्षण संपन्न

चमोली। लंगासू में आयोजित भाजपा ग्रामीण मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सोमवार को संपन्न हो गया। सात सत्रों में आयोजित सत्र में वक्ताओं ने पार्टी के निर्धारित विषय वैचारिक अधिष्ठान, पार्टी का इतिहास विकास, कार्यविस्तार, कार्यपद्धति, सरकार की उपलब्धियां, सोशल मीडिया और बूथ पालन, मन की बात विषय की जानकारियों से अवगत कराया। प्रशिक्षण सत्र में जिलाध्यक्ष गजपाल बर्त्वाल, विधायक अनिल नौटियाल, जिला महामंत्री अरुण मैठाणी, प्रदेश मंत्री सतीश लखेड़ा, राम चंद्र गौड़ और विक्रम मिंगवाल आदि ने प्रतिभाग किया।एसटी आयोग के उपाध्यक्ष राणा का स्वागतः कर्णप्रयाग।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार की ओर से नवनियुक्त दायित्वधारी एसटी आयोग के उपाध्यक्ष प्रेम सिंह राणा का स्वागत किया। नगर में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के जिला महामंत्री अरुण मैठाणी, दायित्वधारी रामचंद्र गौड़, बीकेटीसी के सदस्य राजेंद्र डिमरी, ब्लॉक प्रमुख दीपिका मैखुरी आदि ने प्रेम सिंह राणा का फूल–मालाओं से स्वागत किया और सीएम पुष्कर धामी और पार्टी संगठन का आभार जताया।विस चुनावों में जुटने का आह्वानः कर्णप्रयाग। कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत सिमली और नौली के पार्टी कार्यकर्ताओं की न्याय पंचायत स्तरीय बैठक हुई। जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार डिमरी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन को बूथस्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में आम जनता महंगाई, बेरोजगारी और समय पर रसोई गैस की आपूर्ति नहीं होने से त्रस्त हैं।

आधुनिक उपकरणों से लैस होगा सीएचसी गौचर अस्पताल

चमोली। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सीएचसी में उच्चीकरण होने के बाद अब इस स्वास्थ्य केंद्र को अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस किया जाएगा। इसके लिए अस्पताल प्रबंधन ने करीब दो करोड़ से अधिक का प्रस्ताव शासन को भेजा है। अस्पताल को डिजीटल मॉनिटरिंग सिस्टम, अत्याधुनिक लेजर मशीनों, हाईटेक एक्स–रे और अल्ट्रासाउंड मशीनों के साथ ही ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम स्थापित किया जाएगा।

आंधी के साथ हुई ओलावृष्टि से फसल को हुआ नुकसान

चमोली। चमोली जिले में तीन दिन से दोपहर के समय बारिश हो रही है। सोमवार को पोखरी क्षेत्र में ओलावृष्टि से गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। पोखरी के खदेड़ पट्टी क्षेत्र में गेहूं, जौ, सरसों की फसल को इससे भारी नुकसान पहुंचा है। रडुवा, कांडई चंद्रशिला, जौरासी, किमोठा, डुंगर, तोणजी, सलना, नैल, नौली, गुणम, कलसीर, मसोली, पाटी, जखमाला सहित अन्य गांवों में फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। काश्तकार भगत भंडारी, रघुवीर नेगी, जगदीश नेगी, बीरेंद्र नेगी आदि का कहना है कि आंधी के साथ हुई ओलावृष्टि से गेहूं की खड़ी फसल बरबाद हो गई है। वहीं धान की बुआई का समय हो गया है लेकिन बारिश कारण खेत तैयार नहीं हो पा रहे हैं। काश्तकारों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। वहीं गोपेश्वर व आस–पास के क्षेत्र में दोपहर के समय तेज बारिश से जन जीवन अस्त–व्यस्त रहा।

बेमौसम बारिश से खेती के कामों में खललः नारायणबगड़। पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में हो रही बेमौसम बारिश ने किसानों की खेती के कामों में खलल डाल दिया है। खेतों में कटाई के लिए तैयार गेहूं, सरसों, मसूर आदि फसलें जहां खराब हो रही हैं वहीं धान आदि फसलों की बुआई का काम भी प्रभावित हो रहा है। किसान बचन सिंह रावत ने कहा कि जब फसलों

के लिए बारिश की सबसे ज्यादा जरूरत थी तब बारिश हुई ही नहीं और अब हो रही है तो उससे बची फसलें बरबाद होने के कगार पर हैं। टेंटुड़ा गांव के नैन सिंह ने बताया कि आजकल क्षेत्र के गांवों में खरीफ की फसलों की बुआई का काम जोरों पर है लेकिन बेमौसम हो रही बारिश ने लोगों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। अगर बारिश का सिलसिला जारी रहा तो खेतों में कटने के लिए तैयार गेहूं आदि की फसलें भी बरबाद हो जाएंगी। वहीं दोपहर बाद अचानक हुई झमाझम बारिश से ठंड एक बार फिर से लौट आई है।बारिश होने से ऊर्जा निगम की टीम ने बीच में छोड़ा काम : पीपलकोटी। आंधी से बिजली लाइन टूटने के निजमुला घाटी के 13 गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी। ऐसे में सोमवार को दूसरे दिन भी बिजली सप्लाई ठप रही। ऊर्जा निगम के कर्मचारी सुबह से ही लाइन ठीक करने में जुटे रहे। मगर बारिश होने के कारण तारों को जोड़ने का काम पूरा नहीं हो पाया है। रविवार को मौसम खराब हुआ और आंधी से मल्ला बिरही व टिटरी तोक के बीच चीड़ का एक सूखा पेड़ बिजली की हाईटेंशन लाइन पर जा गिरा। इससे लाइन टूट गई। रविवार को रातभर बिजली गुल रही। सोमवार सुबह ऊर्जा निगम की टीम तारों को जोड़ने में जुट गईं मगर दोपहर बाद क्षेत्र में बारिश होने से लाइन जोड़ने का काम रुक गया। लाइन टूटने से निजमुला घाटी के गाड़ी, व्यारा, झींझी, निजमुला, पगना, पाणा, ईराणी, मौली हड्डूंग सहित करीब 13 गांवों में दूसरे दिन भी बिजली सप्लाई ठप रही। वहीं ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता प्रदीप शर्मा ने बताया कि बारिश रुकने के बाद लाइन को जोड़ने का काम शुरू कर दिया गया है। जल्द सप्लाई सुचारु कर दी जाएगी।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। इस मैच में जहां रॉयल्स जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। वहीं मुम्बई का लक्ष्य पिछले मैच में मिली हार से उबरकर जीत की राह पर वापसी करना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें ता अब तक दोनो के बीच 31 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 16 मुम्बई ने जबकि 14 रॉयल्स ने जीते हैं। कप्तान रियान पराग की राजस्थान टीम ने अब तक काफी अच्छा खेला है। टीम के हर खिलाड़ी ने अपनी ओर से योगदान दिया है। यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है, वहीं वैभव सूर्यवंशी ने इसे तेजी रही है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने पावरप्ले के दौरान टीम को काफी गति प्रदान की है। मध्यक्रम में ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला है, जबकि शिमरोन हेटमायर ने दबाव भरे पलों में भी बड़े-बड़े छक्के लगाकर टीम लक्ष्य तक पहुंचाया है। पराग ने स्वयं भी अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों से टीम में अहम योगदान दिया है, जिससे टीम की मुख्य बल्लेबाजी संरचना में स्थिरता बनी रही है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के आने से टीम का संतुलन बेहतर हुआ है।

गेंदबाजी में टीम के पास जोफ्रा आर्चर जैसा तेज गेंदबाज है। वहीं नांद्रे बर्गर ने ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई ने अपनी स्पिन से विरोधियों पर अंकुश लगाया है। वहीं संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने भी अच्छी गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर मुंबई इंडियंस की टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या की इस मैच से वापसी अभी तय नहीं है। ऐसे में कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास ही रहने की संभावना है। मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा , सूर्यकुमार यादव के साथ ही तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी।

इसके अलावा रयान रिकेल्टन शेरफेन रदरफोर्ड और मिशेल सैंटनर के अलावा टीम के पास । शार्दुल ठाकुर जैसे ऑलराउंडर हैं। मुंबई की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट पर आधारित है। वहीं बीच के ओवरों में स्पिनर मिशेल सैंटनर विरोधी टीम पर अंकुश लगायेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला रोमांचक होगा।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, तुमार देशपांडे, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर-डोनोवन फरेरा।

मुम्बई इंडियंस : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, मिचेल सेंटनर, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह। इम्पैक्ट प्लेयर-शार्दुल ठाकुर।

सीएसके की तीसरी हार से निराश ऋतुराज बोले, मुझे बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिये थी

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उसे लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके को अपने तीसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में हार मिली है। इससे टीम के युवा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ निराश हैं। ऋतुराज ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि मुझे अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। साथ ही कहा कि अगर मैंने रन बना दिए होते तो मैच का परिणाम कुछ और होता पर ऐसा हुआ नहीं। इस मैच में आरसीबी से मिले 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 207 रन ही बना पायी।

हार के बाद उन्होंने कहा, 'मैं भी टीम केप्रदर्शन से थोड़ा हैरान था। सरफराज खान, प्रशांत वीर और जेमी ओवरटन ने अच्छा खेल दिखाया। वहीं अगर मैंने शीर्ष क्रम में रन बनाये होते तो हम लक्ष्य हासिल कर सकते थे। इसलिए आरसीबी के खिलाफ मिली हार की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूं। इस मैच में हमारी टीम ने जिस प्रकार विराट कोहली का कैच छोड़ा उससे भी हमें नुकसान हुआ। इसके अलावा आरसीबी के टिम डेविड की पारी से भी मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि हमारी कुछ गलतियों से मैच हमारे हाथ ने फिसल गया।' इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया था। आरसीबी ने टिम और पडीक्कल के अलावा कप्तान रजत पाटीदार की नाबाद 48 रन और फिल सॉल्ट की 46 रन की पारी से तीन विकेट पर 250 रन बनाये जिसका पीछा करते हुए सीएसके 207 रन ही बना पायी।

संग्राम सिंह अर्जेंटीना में एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। भारत के संग्राम सिंह ने अर्जेंटीना में मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) खिताब जीत लिया है। संग्राम ये एक अहम उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। संग्राम ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन को दो मिनट में ही हरा दिया। इस जीत के साथ ही संग्राम ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। संग्राम की एमएमए में यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी और नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में भी मुकाबले जीते थे। वह कॉमनवेल्थ हेवीवेट चैंपियन भी रहे हैं। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा, मेरे लिए जीत या हार अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि जुनून की कोई उम्र नहीं होती। मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना में जीतने वाला पहला भारतीय बनूं और आज मेरा सपना पूरा हो गया है। संग्राम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच का आभार व्यक्त करता हूं, जो पिछले 25 साल से मेरे साथ हैं। उन्होंने मेरी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की। संग्राम के सामने फ्लोरियन काफी कमजोर नजर आये भारतीय रेसलर ने उन्हें पहले किक पकड़कर गिराया और फिर अपने दांव आजमाकर मैच अपने नाम कर लिया। संग्राम ने इससे पहले भी कई देशों में हुए खिताबी मुकाबले जीते हैं और वह इस क्षेत्र में देश का नाम रौशन करते आये हैं।

अगर पडिक्कल इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से बाहर रखना मुश्किल होगा: पूर्व क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मेंटर दिनेश कार्तिक का मानना है कि देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा, जिस तरह से वह घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद IPL में बैटिंग कर रहे हैं। रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ RCB की बड़ी जीत में पडिक्कल ने अहम भूमिका निभाई, उन्होंने 29 गेंदों में ताबड़तोड़ 50 रन बनाए।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में पडिक्कल की शांत और संयमित पारी के बारे में पूछे जाने पर RCB के बैटिंग कोच कार्तिक ने शुरुआती मुश्किल दौर में उनके संयम की तारीफ की जिसके बाद उन्होंने खुलकर खेलना शुरू किया। कार्तिक ने कहा, 'सबसे पहली बात जो सामने आती है, वह है उनका पक्का इरादा। इस तरह की पिच पर, जब शुरुआत में रन आसानी से नहीं बनते, तो

कई बैटर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट गंवा बैठते हैं। जब हालात मुश्किल थे, तब भी धैर्य बनाए रखने के लिए देवदत्त ने बहुत हिम्मत दिखाई।'

उन्होंने कहा, 'जैसे ही उन्हें पहली बाउंड्री मिली, आप देख सकते थे कि उन्होंने अपनी बैटिंग का गियर बदल दिया। वह सही क्रिकेटिंग शॉट खेल रहे हैं और गेंद को जोरदार तरीके से मार रहे हैं। अगर वह इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में खूब रन बनाए हैं और हम जानते हैं कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।' कार्तिक ने आगे कहा, 'एक और बात जो काबिले-तारीफ है कि वह यह कि वह कर्नाटक के ड्रेसिंग रूम में एक लीडर के तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। 25 साल की उम्र में भी, वह अपने आइडिया और लीडरशिप से टीम में योगदान दे रहे हैं, और यह देखना बहुत अच्छा लगता है।' पडिक्कल की पारी में 5 बाउंड्री और दो छक्के शामिल थे, जिससे RCB 250/3 के विशाल स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही इससे पहले टिम डेविड ने 25 गेंदों में 70 रन की तूफानी पारी खेली थी। RCB ने यह मैच 43 रनों से जीता और CSK को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

भविष्य में सीएसके की कप्तानी भी संभाल सकते हैं सैमसन : मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ समय में उनका बेहतीन प्रदर्शन सामने आया है और ऐसे में वह इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद उपयोगी साबित

होंगे। तिवारी के अनुसार सैमसन एक अच्छे बल्लेबाज हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर वह कप्तानी भी कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कप्तानी की है। साथ ही कहा कि आज महेन्द्र सिंह धोनी जिस प्रकार सीएसके में लोकप्रिय हैं। वैसे ही आने वाले समय में सैमसन भी होंगे। वह धोनी के जाने के बाद सीएसको को उनकी कम महसूस नहीं होने लेंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि, हर इंसान के जीवन में एक अच्छा समय आता है और यही अब सैमसन के साथ हो रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि जिस तरह से सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में खेला उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिये। उनको पहले ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब उन्हें मौका मिला तब वो मध्यक्रम में खेले और फिर उन्हें पारी शुरु करने का मौका मिला और फिर जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

सरफराज ने पॉवरप्ले में अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज सरफराज खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में नंबर चार पर खेलते हुए पावरप्ले में अर्धशतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इस मैच में हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। आरसीबी की टीम के 250 रनों के जवाब में सीएसके टीम 19.4 ओवर में 207 रन ही बना पायी। सरफराज के लिए आमतौर पर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच अच्छी रही। इससे पहले साल 2015 में उन्होंने यहां आरसीबी की ओर से खेलते हुए 45 रन बनाये थे। अब एक दशक बाद इसी मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेली है। इस मैच में सीएसके के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए विफल रहे। शीर्ष तीन बल्लेबाज संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे केवल 17 रन ही बना पाये। सरफराज ने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाया। सरफराज अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही आईपीएल में आईपीएल में नंबर 4 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों के अंदर अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। वहीं आरसीबी के खिलाफ सरफराज का यह दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले उन्होंने साल 2019 में पंजाब किंग्स की ओर से एक अर्धशतक लगाया था. वहीं अब छह साल बाद अपना दूसरा अर्धशतक लगाया है।

शुरुआती बल्लेबाजों के विफल होने से हारे : ईशान किशन

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के कार्यकारी कप्तान ईशान किशन ने आईपीएल में यहां अपने घरेलू मैदान में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। इस मैच में सनराइजर्स को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ईशान ने कहा है कि शुरुआती बल्लेबाजों के असफल होने से टीम हारी है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने चार विकेट खो दिये थे। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी 56 रन और हेनरिक क्लासेन के 62 रनों की सहायता से सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में केवल 156 रन तक पहुंची थी। ईशान ने कहा कि जो स्कोर उनकी टीम ने बनाया था वह बचाव के लिए पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी हर्ष दुबे ने 18 रन देकर दो विकेट लेकर अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। इससे टीम ने अंतिम ओवर तक जीत हासिल करने का प्रयास किया। ईशान ने कहा कि यह एक अच्छा मैच था पर बचाव के लिए उनके रन कम पड़ गये। गेंदबाजों ने योजना के अनुसार अच्छी गेंदबाजी की और क्षेत्ररक्षकों ने भी अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। साथ ही कहा शुरुआत में 4 विकेट गिरने से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव आ गया पर क्लासेन और नीतीश ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 150 से ऊपर पहुंचाया। वहीं सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ ने अच्छी बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथ से छीन लिया।

आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की घोषणा, भारत के दो खिलाड़ी लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन, बेहतरीन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को मार्च 2026 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है।

सैमसन ने 2026 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत बेंच पर बैठकर की थी, जब उन्हें चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर एट्स मुकाबले से टीम में शामिल होने का मौका मिला, तो उन्होंने टूर्नामेंट की सबसे शानदार व्यक्तिगत कहानियों में से एक लिख दी। उन्होंने कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक जरूरी सुपर 8 मुकाबले में 97 रन की यादगार नाबाद पारी खेली। इसके बाद मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ सेमी-फाइनल में और अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में दोनों ही मैचों में उन्होंने 89-89 रन बनाए। उनके इन प्रयासों की बदौलत

भारत अपने घरेलू मैदान पर खिताब बचाने में कामयाब रहा और सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का अवॉर्ड मिला।

वहीं बुमराह भारत की हर उस नॉकआउट जीत के केंद्र में रहे, जिसने टीम को खिताब तक पहुंचाया। सेमी फाइनल में जहां इंग्लैंड के खिलाफ ज्यादातर गेंदबाजों ने 9.50 से ज्यादा रन प्रति ओवर दिए, बुमराह ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 1 विकेट लिया। उनके 16वें और 18वें ओवर की कसी हुई गेंदबाजी निर्णायक साबित हुई और इंग्लैंड लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 रन पीछे रह गया। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 15 रन देकर चार विकेट झटके और अपने घरेलू मैदान पर 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता। कुल मिलाकर बुमराह ने टूर्नामेंट के आखिरी तीन मैचों में 12 की औसत और 7 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए।

टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद एस्टरहुइजन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों में दक्षिण अफ्रीका के लिए 200 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। चौथे मैच में उन्होंने अपना पहला टी20आई अर्धशतक बनाया और फिर निर्णायक पांचवें मैच में 33 गेंदों पर नाबाद 75 रन की तूफानी पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका को 3-2 से सीरीज जिताई। उन्होंने 'प्लेयर ऑफ द मैच' के दो पुरस्कार जीते और 551 रेटिंग अंकों के साथ पुरुषों की टी20आई बैटिंग रैंकिंग में 39वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 5 मैचों के बाद किसी भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा यह चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप : प्रीति ने ओलंपिक विजेता को हराया, फाइनल में बनाई जगह

उलानबटोर (मंगोलिया) । उदीयमान भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कोरिया की ऐजी इम को हराकर एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन हारकर बाहर हो गई । प्रिया और अरूंधति चौधरी ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते । विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता पूजा रानी और अंकुशिता बोरो को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति ने तीन दौर के मुकाबले में इम को 5-0 से हराया। अब फाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैम्पियन (2019, 2023, 2025) और तोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपै की हुआंग सियाओ वेन से होगा। महिलाओं के 60 किलोवर्ग में प्रिया ने स्थानीय मुक्केबाज नामून मोंखोर को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना उत्तर कोरिया की उन जियोंग वोन से होगा। अरूंधति ने उजबेकिस्तान की ओइशा तोइरोवा को 70 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 4.1 से हराया। अब उनका सामना कजाखस्तान की बेकित सेइदिश से होगा। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत को ओलंपिक पदक विजेता चीन की वू यू ने 51 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 से मात दी। निकहत की इस मुक्केबाज के खिलाफ यह दूसरी हार है। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना को 75 किलोवर्ग में विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता उजबेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी। पहले दौर में बाय मिलने के बाद यह टूर्नामेंट में लवलीना का पहला मुकाबला था। अंकुशिता को चीनी ताइपै की नियेन चिन चेन ने 3-0 से हराया। महिलाओं के 80 किलो वर्ग में पूजा सेमीफाइनल में कजाखस्तान की एन रियाबेत्स से हार गई।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं ।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

धोनी फिटनेस टेस्ट में पास हुए तो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उतरेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने शुरुआती तीनो ही मैचों में हार के कारण मुश्किलों में फंसी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए राहत की खबर है। टीम को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी की अगले मैच में वापसी हो सकती है बशर्ते वह फिटनेस टेस्ट में पास हो जाएं। धोनी काफ इंजरी (पिंडली की चोट) के कारण अब तक इस लीग में नहीं खेल पाये हैं हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है पर उन्हें खेलने की अनुमति फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही मिलेगी। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो वह 11 अप्रैल को चेन्नई में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच से वापसी करेंगे। अगर ऐसा होता है तो सीएसके का मनोबला बढ़ जाएगा। धोनी के नहीं होने पर सीएसके को काफी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। उनके रहने से टीम को मार्गदर्शन मिलता रहता है। इस बार आईपीएल 2026 अंकतालिक में टीम का खाता भी नहीं खुला है और वह सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। सीएसके के लिए इस मैच से युवा डेवाल्ड ब्रेविस भी वापसी कर सकते हैं क्योंकि अब वह भी अपनी चोट से उबर गये हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में अगर धोनी और ब्रेविस खेलते हैं तो इससे सीएसके को काफी लाभ होगा। अगले कुछ दिनों में धोनी का फिटनेस टेस्ट होने की संभावना है और अगर वह इसमें पास हो गए तो चेपॉक में दिल्ली के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। आईपीएल में सीएसके धोनी पर कितना निर्भर है इसका अंदाजा आंकड़ों से होता है। अब तक धोनी ने केवल 8 मुकाबले नहीं खेल हैं। 3 मुकाबले 2010 में, 2 मुकाबले 2019 में और 3 मुकाबले अब तक 2026 में उन्होंने नहीं खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि जिन 8 मैचों में एमएस धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे हैं, उनमें से केवल एक ही मैच में सीएसके जीती है। वहीं बचे हुए 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।